दैनिक

पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः4 : अंकः 42 | ग्वालियर, शनिवार 26 अजक्टूबर 2024 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

पूर्ववर्ती सरकारों के समय योग्यता से नहीं, पहुंच और रिश्वत से नौकरी मिलती थी : योगी

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य की पूर्ववर्ती सरकारों पर आरोप लगाते हुए कहा कि पिछली सरकारों के कार्यकाल मे नौकरी योग्यता से नहीं बल्कि ऊंची पहुंच और रिश्वत से ही मिलती थी, लेकिन 2017 के बाद से चयन प्रक्रिया को भेदभाव मुक्त बना दिया गया है। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा चयनित 1,526 ग्राम पंचायत अधिकारियों, 360 ग्राम विकास अधिकारिया (समाज कल्याण) और 64 समाज कल्याण पर्यवेक्षकों समेत कुल 1,950 युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए। इस दौरान सीएम योगी ने पिछली सरकार पर जमकर निशाना साधा। मुख्यमंत्री योगी ने कहा, "आप में से कुछ अभ्यर्थियों ने 2017 के पहले भी आवेदन किया होगा। सक्षम व समर्थ होने के बावजूद सिर्फ इसलिए चयन नहीं हुआ होगा, क्योंकि आपके पास पहुंच और अभिभावक के पास इतना पैसा नहीं था कि नियुक्ति करा सकें। सब कुछ होने के बावजूद आपको चयन प्रक्रिया से बाहर कर दिया जाता था। उन्होंने कहा कि लेकिन पिछले सात–साढ़े सात वर्ष में चयन प्रक्रिया में किसी के साथ भेदभाव नहीं हुआ। अगर अच्छे, सक्षम और योग्य अभ्यर्थियो का चयन नहीं होगा तो सरकार की योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए जिस तंत्र को कार्य करना है, वह स्वयं लकवाग्रस्त हो जाएगा। ऐसी स्थिति पैदा न हो, इसके लिए 2017 में ही तय किया गया कि जितने भी आयोग तथा बोर्ड है, वे निष्पक्षता तथा पारदर्शी तरीके से आरक्षण के नियमों का पालन करते हुए भर्ती प्रक्रिया संपन्न करें। मुख्यमंत्री योगी ने कहा, "हमारी सरकार में सरकारी, निजी क्षेत्र और संविदा के आधार पर नियुक्तियां ईमानदारी से बढ़ीं तो उत्तर प्रदेश हर क्षेत्र में तेजी से दौड़ता दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि नवचयनित अभ्यर्थियों को जितनी निष्पक्षता और पारदर्शिता से नियुक्ति मिली है, पूरा कार्यकाल उसी निष्पक्षता और पारदर्शी तरीके से बढ़ता जाएगा। ऐसा होने से उत्तर प्रदेश भारत की नंबर एक अर्थव्यवस्था और भारत 2047 मे विकसित तथा आत्मनिर्भर बनेगा। मुख्यमंत्री ने दावा किया, "उनकी सरकार ने अपने पिछले साढ़े छह–सात वर्ष के कार्यकाल में लगभग सात लाख युवाओं को सरकारी नौकरियां दीं। प्रदेश के अंदर सुरक्षा का बेहतर माहौल देने के कारण निजी क्षेत्र में भी लाखों नौजवानों के लिए नौकरी की संभावना बढ़ाई गई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश का युवा पहले नौकरी–रोजगार के लिए देश–दुनिया मे भटकता था लेकिन आज उसे अपने प्रदेश, क्षेत्र और जिले में नौकरी मिल रही है और वह नौकरी करते हुए परिवार की देखभाल भी कर रहा है।

एक साथ मिली 85 विमानों को धमकी

इंडिगो, विस्तारा और अकासा की उड़ानें शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। गुरुवार को कुल 85 उड़ानों मे बम होने की ताजा धमकियाँ मिलीं, जिससे कई एयरलाइन्स प्रभावित हुईं और आपातकालीन सुरक्षा उपाय किए गए। जानकारी के अनुसार, लक्षित उड़ानों में इंडिगो की 20, विस्तारा की 20 और अकासा की 25 उड़ाने शामिल थीं। एक हफ्ते से भी कम समय मे भारतीय एयरलाइन्स द्वारा संचालित 170 से ज़्यादा उड़ानों को बम से उड़ाने की धमकियाँ मिली है। केंद्र सरकार एयरलाइन्स को बम से उड़ाने की धमकियों से निपटने के लिए व्यापक विधायी कार्रवाई की योजना बना रही है, जिसमे अपराधियों को नो–फ्लाई सूची में डालना भी शामिल है। दिल्ली पुलिस ने पिछले आठ दिनो मे 90 से ज़्यादा घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानो मे बम की धमकियों के सिलसिले में आठ अलग–अलग प्राथमिकी रिपोर्ट (FIR) दर्ज की है। इन धमकियों के स्रोत की पहचान करने और सभी एयरलाइनों मे यात्रियों और चालक दल के सदस्यो की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा उपायो को बढ़ाने के साथ जांच जारी है। इससे पहले भारतीय विमानन कंपनियों द्वारा संचालित करीब 50 घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय उड़ानो में बम होने की मंगलवार को धमकी मिली। इसी के साथ सोमवार रात से अबतक 80 उड़ानो में बम की धमकी मिल चुकी है। पूरे घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि मंगलवार को एयर इंडिया और इंडिगो की 13–13 उड़ानों, अकासा एयर की 12 से अधिक उड़ानोऔर विस्तारा की 11 उड़ानो को धमकी मिली। सोमवार रात को एयर इंडिया, इंडिगो और विस्तारा की 10–10 उड़ानो को धमकियां मिली थीं, जबकि जेद्दा जाने वाली इंडिगो की तीन उड़ानो का रास्ता बदला गया और उन्हे सऊदी अरब और कतर के हवाई अड्डो पर उतारा गया।

छठ–दीपावली के मौके पर चलायी जाएंगी सात हजार विशेष ट्रेनें : वैष्णव

नयी दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने छठ और दीपावली के पर्व पर यात्रियों की भीड़ से निपटने के लिए सात हजार विशेष ट्रेन चलाने का फैसला किया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को मंत्रिमंडल की बैठक के बाद संवाददाताओं को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह विशेष ट्रेनों के परिचालन का नया रिकॉर्ड होगा। उन्होंने बताया कि पिछले साल रेलवे ने छठ और दीपावली के सीजन में चार हजार विशेष ट्रेने चलायी थी, जो एक रिकॉर्ड था। उन्होंने कहा कि इन विशेष ट्रेनो को चलाने से हर दिन दो लाख अतिरिक्त लोग सफर कर सकेंगे। भारतीय रेल प्रतिदिन 13 हजार से अधिक यात्री ट्रेनों का परिचालन करती है।

टायर फटने से कार पलटी, पांच लोगों की मौत

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में सिरोही जिले में ब्यावर पिंडवाड़ा राजमार्ग पर टायर फटने से एक कार अनियंत्रित होकर पलट गयी, इससे कार मे सवार गुजरात के एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गयी, जबकि एक महिला घायल हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार एक परिवार के लोग कार से गुजरात से जोधपुर जा रहे थे। सिरोही जिले में ब्यावर पिंडवाड़ा मार्ग पर अचानक कार का टायर फट गया, इससे कार अनियंत्रित होकर कई पलटी खाकर सड़क के दूसरी ओर जा गिरी। इसकी सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने प्रताप भाई, रामूराम, उषा बेन, पुष्पादेवी और एक वर्षीय बालक को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल शारदा का उपचार किया जा रहा है। कार मे सवार लोग गुजरात के बताये जा रहे है।

प्रियंका गांधी के खिलाफ भाजपा की नव्या हरिदास ने किया नामांकन, कांग्रेस नेता पर ऐसे कसा तंज

वायनाड, एजेंसी। वायनाड लोकसभा उपचुनाव से भाजपा उम्मीदवार नव्या हरिदास ने अन्य भाजपा नेताओं के साथ अपना नामांकन दाखिल किया। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा वायनाड से चुनाव लड़ रही है। यह सीट लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा खाली की गई है। वायनाड लोकसभा उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार हरिदास ने आरोप लगाया कि लोगों को शूटिंग या वायनाड के पर्यटन स्थलो

की सैर कराने के बहाने वहां लाया गया था और इसी वजह से रोड शो में भारी भीड़ उमड़ी। उन्होने आगे कहा कि प्रियंका का आगमन और रोड शो एक मौसमी त्यौहार की तरह था जो हर साल केवल एक बार आता है। गुरुवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल करने वाली भाजपा उम्मीदवार ने कहा, लेकिन, लोग इसे समझ जाएंगे। हरिदास ने बुधवार को नामांकन दाखिल करने वाली प्रियंका पर भी निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस महासचिव केवल अपने प्रमुख राजनीतिक पारिवारिक पृष्ठभूमि के आधार पर एक बड़ी उम्मीदवार है। हालांकि, मेरे जैसे निगम पार्षद एक ऐसे व्यक्ति हैं जिनके पास लोगों के साथ काम करने का वर्षों का अनुभव है और वे जमीनी स्तर पर काम करके आगे आए है। उन्होंने कहा कि अगर परिवार का दबदबा किसी उम्मीदवार की महानता का मापदंड है, तो केवल वह (प्रियंका) ही ऐसा दावा कर सकती है। भाजपा के पास ऐसा कोई मापदंड नहीं है और मै ऐसा कोई दबदबा होने का दावा नहीं कर सकता। हरिदास ने कहा कि जब वह नामांकन दाखिल करेगी तो उनके साथ पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और मिजोरम के पूर्व राज्यपाल कुम्मानम राजशेखरन और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहेंगे।

अमित शाह से मिले एकनाथ शिंदे और अजित पवार, मिली ये बड़ी सलाह

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन नेताओं अजित पवार और एकनाथ शिंदे से मुलाकात की है। इस दौरान शाह ने इन्हें बड़ी सलाह दी है। सूत्रो ने बताया कि शाह ने गठबंधन के नेताओं अजित पवार और एकनाथ शिंदे को सलाह दी है कि वे सुनिश्चित करें कि महायुति के किसी भी गुट से कोई भी बागी चुनाव न लड़े। गठबंधन की चुनावी संभावनाओं को मजबूत करने के लिए शाह ने तीनों पार्टियों के आंतरिक मतभेद के बिना एक साथ मिलकर चुनाव लड़ने के महत्व पर भी जोर दिया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) 20 नवंबर को होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों में सत्ता बरकरार रखने की कोशिश कर रही है। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महाराष्ट्र भर में कई चुनावी रैलियों का नेतृत्व करने वाले हैं। सूत्रों के अनुसार, "5 नवंबर से 14 नवंबर तक, प्रधानमंत्री मोदी विभिन्न क्षेत्रों में रैलियां करेंगे, न केवल भाजपा उम्मीदवारों का समर्थन करने के लिए बल्कि पूरे महायुति गठबंधन को बढ़ावा देने के लिए भी।" ये रैलियां सभी सहयोगी उम्मीदवारों के लिए अभियान प्रयासों को मजबूत करने पर केंद्रित होंगी। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव 20 नवंबर को एक ही चरण में होंगे। राज्य के लिए मतों की गिनती 23 नवंबर को होगी। भाजपा महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के साथ मिलकर सत्ता बरकरार रखने की इच्छुक है। भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन को कांग्रेस–एनसीपी–शिवसेना–यूबीटी के महा विकास अघाड़ी गठबंधन से चुनौती मिल रही है, जो लोकसभा चुनावों में अपने प्रदर्शन को दोहराने की उम्मीद कर रहा है। विपक्षी एमवीए गठबंधन ने लोकसभा चुनावों में महाराष्ट्र की 48 में से 31 सीटें जीती थीं।

नवी मुंबई में वेश्यावृत्ति गिरोह का भंडाफोड़, दो महिलाएं गिरफ्तार

नवी मुंबई, एजेंसी। पुलिस ने नवी मुंबई के तलोजा मे संचालित वेश्यावृत्ति गिरोह का भंडाफोड़ करके एक बांग्लादेशी नागरिक समेत दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है। अधिकारियो ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मंगलवार को शुरू किए गए अभियान के दौरान पुलिस ने एक बांग्लादेशी महिला को मुक्त भी कराया। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक पृथ्वीराज घोरपड़े ने बताया, "नवी मुंबई पुलिस के मानव तस्करी रोधी प्रकोष्ठ (एएचटीसी) को सूचना मिली थी कि एक आवासीय इलाके मे एक मकान में वेश्यावृत्ति गिरोह संचालित किया जा रहा है।" उन्होंने कहा कि पुलिस ने एक फर्जी ग्राहक भेजा और परिसर पर छापा मारा। घोरपड़े ने बताया कि टीम को हसीना मुर्शफ खान (30) नामक एक महिला मिली, जो गिरोह की सरगना थी। अधिकारी ने कहा कि पुलिस टीम को यह भी पता चला कि ग्राहको को सलिया सफीक खान (39) को डिजिटल तरीके से पैसे देने के लिए कहा जाता था।

भाजपा छोड़ शिंदे की शिवसेना में शामिल हुए नीलेश राणे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री नारायण राणे के बेटे नीलेश राणे महत्वपूर्ण राज्य विधानसभा चुनाव 2024 से पहले एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए। यह घटनाक्रम तब सामने आया है जब राणे के पिता ने चुनावों से पहले अपने बेटे को शिंदे की शिवसेना में शामिल कराने के लिए अथक प्रयास

किए थे। उन्होंने नीलेश के लिए टिकट पर चर्चा करने के लिए रविवार को शिंदे से उनके आधिकारिक आवास पर मुलाकात की। सूत्रों ने बताया कि उन्होंने सीएम से अपने बेटे को कुडाल विधानसभा क्षेत्र से टिकट देने का आग्रह किया है। नारायण ने उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को भी फोन किया। कुडाल विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व वर्तमान में शिवसेना (यूबीटी) विधायक वैभव नाइक करते है। नारायण, जिन्होंने 2019 में अपनी पार्टी – महाराष्ट्र स्वाभिमान पक्ष का भाजपा में विलय कर दिया था, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए अपने बेटे के लिए टिकट सुनिश्चित करने के प्रयास कर रहे है। उनके प्रयास सफल हुए क्योंकि उनके बेटे को सत्तारूढ़ शिवसेना में प्रवेश मिल गया।

शिवराज सिंह चौहान का आरोप, झारखंड में लूट मची है, महिलाओं और युवाओं के लिए सोरेन सरकार ने कुछ नहीं किया

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री और झारखंड में भाजपा के चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली झारखंड सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया

कि राज्य की बेटियां सुरक्षित नहीं है। वरिष्ठ भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि हेमंत सोरेन सरकार ने राज्य के युवाओं, महिलाओं और लोगों के लिए कुछ नहीं किया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि पिछले 5 वर्षों में झामुमो और कांग्रेस की गठबंधन की सरकार ने झारखंड को तबाह और बर्बाद कर दिया है। झारखंड में माँ, बहन और बेटी का सम्मान सुरक्षित नहीं है, ऐसी सरकार को उखाड़ फेंकेंगे। शिवराज ने आरोप लगाया कि झारखंड में लूट मची है। झामुमो और कांग्रेस सरकार के मंत्रियों और सांसदों के घरों से नोटों के पहाड़ निकल रहे है। ये पूरे झारखंड को बेचकर खा गए है। उन्होंने कहा कि झारखंड के विकास और जनता कल्याण के लिए भारतीय जनता पार्टी ने पंच प्रण लिए है। उन्होंने कहा कि ये जो तूफान आ रहा है दाना तूफान, इस तूफान से ज्यादा खतरनाक तो झामुमो और कांग्रेस की गठबंधन सरकार है, जिसने झारखंड को बर्बाद कर दिया। आइए, आज नामांकन के साथ इस सरकार को उखाड़कर फेंकने का संकल्प लीजिए। इस बीच, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए 66 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की।

ब्रिक्स के मंच से जयशंकर की हुंकार: क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता का हो सम्मान, आतंकवाद कतई बर्दाश्त नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रूस के कजान में ब्रिक्स सम्मेलन में कहा कि संघर्षों और तनाव से प्रभावी तरीके से निपटना आज के समय की विशेष जरूरत है। उन्होंने कहा कि संवाद और कूटनीति से विवादों और मतभेदों का समाधान निकाला जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक बार सहमति हो जाए तो ईमानदारी से उसका पालन होना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय कानून का बिना किसी अपवाद के पालन होना चाहिए। विदेश मंत्री ने सख्त लहजे मे कहा कि आतंकवाद के प्रति कतई बर्दाश्त नहीं करने वाला रुख होना चाहिए। एस जयशंकर ने कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष और फैलने को लेकर व्यापक चिंताएं है। उन्होंने कहा कि हम कठिन परिस्थितियों में मिल रहे हैं, विश्व को दीर्घकालिक चुनौतियों पर नए सिरे से सोचने के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि अतीत की कई असमानताएँ भी जारी है। वास्तव में, उन्होंने नए रूप और अभिव्यक्तियाँ ग्रहण की है। हम इसे विकासात्मक संसाधनों और आधुनिक तकनीक और दक्षताओं तक पहुँच में देखते है। हमें यह भी स्वीकार करना चाहिए कि वैश्वीकरण के लाभ बहुत असमान रहे है। इन सबके अलावा, कोविड महामारी और कई संघर्षों ने वैश्विक दक्षिण द्वारा वहन किए जाने वाले बोझ को और बढ़ा दिया है। विदेश मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य, खाद्य और ईंधन सुरक्षा की चिंताएँ विशेष रूप से तीव्र है। भविष्य के शिखर सम्मेलन ने रेखांकित किया कि दुनिया एसडीजी लक्ष्यों को प्राप्त करने में काफी पीछे रह जाने के वास्तविक खतरे में है। उन्होंने सवाल किया कि हम इस विरोधाभास को कैसे सुलझाएँगे? और यह सुनिश्चित कैसे करें कि परिवर्तन का लाभ उन लोगो तक पहुँचे जो वर्तमान में पीछे रह गए हैं? हम एक अधिक न्यायसंगत वैश्विक व्यवस्था कैसे बना सकते हैं? जयशंकर ने कहा कि सबसे पहले, स्वतंत्र प्रकृति के प्लेटफॉर्म को मजबूत और विस्तारित करके। और विभिन्न डोमेन में विकल्पो को व्यापक बनाकर और उन पर अनुचित निर्भरता को कम करके जिनका लाभ उठाया जा सकता है। यह वास्तव में वह जगह है जहाँ ब्रिक्स वैश्विक दक्षिण के लिए बदलाव ला सकता है। दूसरा, स्थापित संस्थाओं और तंत्रो मे सुधार करके, विशेष रूप से स्थायी और अस्थायी श्रेणियो में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद। इसी तरह बहुपक्षीय विकास बैंकों मे भी सुधार किया जाना चाहिए, जिनकी कार्य–प्रणाली संयुक्त राष्ट्र की तरह ही पुरानी है। भारत ने अपने जी–20 प्रेसीडेंसी के दौरान एक प्रयास शुरू किया था और हमें खुशी है कि ब्राजील ने इसे आगे बढ़ाया है। तीसरा, अधिक उत्पादन केंद्र बनाकर वैश्विक अर्थव्यवस्था का लोकतंत्रीकरण करना। कोविड का अनुभव अधिक लचीली, निरर्थक और छोटी आपूर्ति श्रृंखलाओं की आवश्यकता की तीखी याद दिलाता है। आवश्यक आवश्यकताओं के लिए, प्रत्येक क्षेत्र वैध रूप से अपनी उत्पादन क्षमताएँ बनाने की आकांक्षा रखता है। चौथा, वैश्विक बुनियादी ढाँचे में विकृतियों को ठीक करके जो औपनिवेशिक युग से विरासत में मिली है।

सी एम हेल्पलाइन निराकरण में मेहगांव का भिण्ड जिले में प्रथम स्थान

तहसीलदार नरेश शर्मा के नेतृत्व में 75 से अधिक शिकायत संतुष्टि से बंद हुईं

उमाकान्त शर्मा
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड।मध्यप्रदेश शासन की अत्यंत महत्वपूर्ण सी एम हेल्पलाइन योजना में तहसील मेहगांव जिले में प्रथम स्थान पर रही है।भिण्ड कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव के निर्देश पर एस डी एम नवनीत शर्मा के मार्गदर्शन में तहसीलदार मेहगांव नरेश शर्मा द्वारा सितम्बर माह की 75त्र से अधिक शिकायतों को संतुष्टि से बंद करवाया गया है तथा जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।तहसील मेहगांव में सितम्बर माह में कुल 197 शिकायत सी एम हेल्पलाइन के माध्यम से दर्ज की गयी थी जिनमें से 148 शिकायत संतुष्टि से बंद करवाई गयी है।जिसका कुल निराकरण

प्रतिशत 75त्र है।तथा 75त्र से अधिक शिकायतों को किसानों की सहमति से बंद करवाने वाली तहसील मेहगांव जिले की एकमात्र तहसील है।तहसीलदार नरेश शर्मा को 10 सितम्बर को तहसील मेहगांव का प्रभार सौंपा गया था तभी से तहसीलदार नरेश शर्मा द्वारा तहसील में लंबित मामलों के निपटारे के निर्देश पटवारियों को दिए गए तथा पटवारियों द्वारा नियमित रूप से कृषको के कार्य किये गए जिसके कारण तहसील मेहगांव जिले में प्रथम स्थान बनाने में कामयाब रही।ज्ञातव्य हो कि इसके पूर्व तहसीलदार नरेश शर्मा भिंड जिले की गोहद तहसील में पदस्थ थे जिनके नेतृत्व में तहसील गोहद ने राजस्व महाभियान के दोनों चरणों में चम्बल संभाग में प्रथम स्थान प्राप्त किया था।

स्वस्थ चिंतन से बड़े अपने लक्ष्य की ओर

आज हम छोटी छोटी बातों पर जल्दी से उत्साहित होने के साथ क्रोधित भी जल्दी हो जाते हैं,किसी भी विषय को समय देने की जगह हम उस विषय से संबंधित व्यक्ति या समस्या पर जल्दी ही अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करने लगते हैं। इसका असर हमारे मन मस्तिष्क पर अच्छा नहीं पड़ता,हम जल्दी ही नकारात्मक भाव का शिकार हो जाते है ।हम ऊपर से ये दिखाने की कोशिश करते हैं कि सब ठीक हैं, परंतु किसी भी विषय पर कुछ भी प्रस्तुत करने से पहिले हमें ये जान लेना चाहिए कि हमारी प्रकृति क्या हैं,क्या हम उतना अच्छा भाव रख सकते है , जो हमें रखना चाहिए यदि नहीं तो किसी भी व्यक्ति या विषय पर टिप्पणी देने से बचे ।हमें अपना मन मैला नहीं करना चाहिए,किसी के प्रति गलत व्यवहार न रखें समय के प्रवाह में उसे जाने दे ,आपको उसके गुण दोष सभी समक्ष स्पष्ट हो जायेंगे ।अक्सर हम दूसरों की बातों में आकर कुछ भी भाव रख लेते है। हमें ऐसा करने से बचना चाहिए, स्वस्थ रहने के लिए हमें किसी भी नकारात्मक चिंतन से बचना चाहिए।यदि कोई आपका शत्रु भी है,तो आप उसके बारे में सब कुछ जानने की कोशिश करें परंतु उसके व्यहवार को अपने ऊपर हावी न होने दे,कोशिश करे कि आपका उससे दूरी बनाए रखना ही उचित हैं,उसके विषय में ज्यादा सोचना भी नहीं चाहिए , जैसे जैसे आप नकारात्मक चिंतन त्याग करेंगे,शत्रु की शत्रुता भी स्वतः ही समाप्त हो जाएगी या आप से सदैव के लिए दूर हो जाएगी ।हमें हमारे जीवन में स्वास्थ्य के लिए , स्वस्थ चिंतन की आवश्यकता होती हैं और ये सभी को अपनाना चाहिए। आस पास प्रकृति के साथ, सभी सामाजिक कार्यों के लिए भी स्वस्थ चिंतन करना चाहिए।सोचना चाहिए हम क्या अच्छा कर सकते है, जैसे जैसे आप अपने लिए समाज के लिए स्वस्थ्य चिंतन करेंगे वैसे वैसे सभी प्रकार के नकारात्मक भाव से मुक्त होते जाएंगे ।आप अंतर महसूस करेंगे स्वस्थ चिंतन करने से आप पहिले से कई ज्यादा खुश और अपने नए जीवन के लक्ष्य पर केंद्रित हैं। (स्वरचित मौलिक)

आशी प्रतिभा दुबे (स्वतंत्र लेखिका)
ग्वालियर,मध्य प्रदेश (भारत)

सैनिक सम्मान व गार्ड ऑफ ऑनर साथ बेटे ने दी शहीद हो मुखाग्नि

मुरैना सहित समस्त चंबलांचल देशसेवा, सेना में शहीद ,सेवाओं के लिए हमेशा रखा जाएगा याद -ब्रिगेडियर

अंबाह , से भीमसेन सिंह तोमर की रिपोर्ट

भारत मां की सेवा में बेटे के बलिदान पर मुझे गर्व - ,,, पिता

मुरैना/अंबाह भारत मां की सेवा में अपने प्राणों को न्यौछावर करने वाले अंचल के लाल हवलदार «शैलेंद्र सिंह तोमर» का आज सैनिक सम्मान के साथ दाह संस्कार की किया पूर्ण हुई गई इस मौके पर बेटे के पिता ने कहा कि मुझे गर्व है कि भारत मां की सेवा और देश सेवा के लिए मेरे बेटे ने प्राणों को न्यौछावर किये,।यहां आपको बता दें कि पिछले दो दिन पूर्व देवप्रयाग में एक सड़क हादसे में पहाड़ी से दुर्घटना में दीपावली के लिए घर पर छुट्टी मनाने के लिए सैनिक आ रहे थे इस दौरान सैनिकों कहां से भरे ट्रक के अचानक ब्रेक फेल हो जाने से हादसा हुआ था जिसमें हादसे के दौरान मुरैना पार्थपुरा खड़िया हार के लाल हवलदार श्री शैलेंद्र सिंह तोमर की मृत्यु हो गई थी आज 3 दिन बाद पूरे सैनिक सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया इस मौके पर प्रथम सलामी के रूप में स्टेशन हेडक्वार्टर ग्वालियर के स्टेशन कमांडर ब्रिगेडियर ने शहीद को सलामी देते हुए कहा हमेशा मुरैना व चंबलांचल की युवाओं और उनकी वीरता को हमेशा याद किया जाएगा व श्रद्धांजलि अर्पित की वही इस मौके पर प्रशासनिक अधिकारी के रुप कोई सक्षम व वरिष्ठ अधिकारी की मौजूदगी न होना निंदा का विषय रहा , पुलिस टीम , से दिमनी थाना प्रभारी व उनकी टीम ने मौजूद थे, वहीं पूर्व सैनिकों के संगठन, समाजसेवी संगठों के सेवक भी मौजूद रहे व साथ ही भारत मां की जय घोष के नारों के साथ अंतिम संस्कार किया गया आपको बता दें कि शैलेंद्र सिंह तोमर दो भाई हैं एक भाई और भी सेना सेवा में है वही पिता भी सेना सेवा से ही सेवानिवृत हैं उनके 9 साल के बेटे ने पिता को मुखाग्नि दी इस दृश्य को देखते हुए सभी के आंखें नम हो गई ।शहीद शैलेन्द्र सिंह अपने पीछे एक बेटा 9 वर्ष ,एक बेटी और पत्नी व परिजनों को विलखता हुआ छोड़ गए।,,,,,

सिर्वी समाज के पेशेवर एवं कर्मचारीयों का सम्मेलन 27 अक्टूबर को बड़वानी में

दैनिक पुष्पांजली टुडे

सिघाना। अखिल भारतीय सिर्वी महासभा के तत्वावधान में 27 अक्टूबर को समाज के पेशेवर एवं शासकीय व अर्द???शासकीय कर्मचारियों का महासम्मेलन सिर्वी इन्टरनेशनल स्कूल बड़वानी में होगा। आयोजित होने वाले प्रान्तीय पेशेवर एवं कर्मचारी महासम्मेलन को लेकर तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। प्रान्तीय अध्यक्ष सीए भगवान लछेटा एवं महासचिव कान्तिलाल गेहलोत ने बताया कि समाज के सभी पेशेवर एवं शासकीय व अर्दशासकीय कर्मचारियों को सम्मेलन में आने हेतु प्रेरित करने का दायित्व ग्राम इकाई से लेकर प्रदेश इकाई के पदाधिकारियों को सौंपा गया है। सम्मेलन के मुख्य अतिथि मुख्य अतिथि दीपक सिंह, संभाग आयुक्त, डिविजनल कमिश्नर, इंदौरविशेष अथिति आशीष पालीवाल उपायुक्त , डिप्टी कमिश्नर श्रम विभाग इंदौर सिर्वी विनोद चौधरी आईआरएस डिप्टी कमिश्नर इनकम टेक्स , उदयपुर सिर्वी रमेश चौधरी आर. ए. एस. व एच. डी. एम. मावली इसके अतिरिक्त प्रदेश समाज के शिक्षा क्षेत्र व पेशा में श्रेष्ट सफलता एवं ख्याति प्राप्त करने वाले सम्माननीय समाज जानो का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। बड़वानी जिला अध्यक्ष दिनेश चौधरी ,प्रांतीय सम्मेलन संयोजक शेखर भायल, हरिराम राठौर,इंजी अशोक राठौर,मुकेश गेहलोत सहित समाजसेवी व पदाधिकारी इस सम्मेलन को सफल बनाने सहयोग कर रहे हैं उक्त जानकारी प्रांतीय मीडिया प्रभारी हीरालाल सिर्वी कापसी द्वारा दी।

निर्वाचक नामावली का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2025 के संबंध में बैठक 26 अक्टूबर को

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । फोटो निर्वाचक नामावली का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2024 का प्रारूप प्रकाशन 29 अक्टूबर 2024 को किया जाना है । इस संबंध में कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव की अध्यक्षता में 26 अक्टूबर 2024 को दोपहर 1 बजे बैठक का आयोजन कलेक्टर कार्यालय भिण्ड के सभागार में किया जाएगा। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी एलके पाण्डेय ने अध्यक्ष/सचिव मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनैतिक दल को पत्र जारी कर कहा है कि 26 अक्टूबर 2024 को दोपहर 1 बजे बैठक में उपस्थित होने का कष्ट करें।

दबोह भारतीय जनता पार्टी की कामकाजी बैठक आयोजित,बैठक में दबोह सीएमओ पर कार्यकर्ताओ ने लगाए आरोप

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक
पुष्पांजली टुडे

दबोह-भारतीय जनता पार्टी दबोह मंडल की काम काजी बैठक स्थानीय विश्राम ग्रह पर आयोजित की गई। जिसमें दबोह मंडल के सक्रिय सदस्य प्रभारी नृपत सिंह जूदेव विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में सर्व प्रथम सभी सदस्यों का परिचय कराया गया। इसके बाद सदस्यता प्रभारी जूदेव ने कार्यकर्ताओं को सक्रिय सदस्य बनाने के लिए कुछ आवश्यक सुझाव दिए उन्होंने कहा कि जिन कार्यकर्ताओं ने अभी तक कार्यकर्ता नही बनाये है उन्हें अभी कम से कम 50 सदस्य जरूर बनाये तभी वह सक्रिय सदस्य बन पाएंगे साथ ही उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता को अपनी बार्ड में कम से कम दो सदस्य तो बनाना ही है। उन्होंने कहा कि दबोह मंडल काफी सक्रिय है इस मंडल को गोद लेने का मन करता है।इस

बीच कार्यकर्ताओं ने नगर परिषद अधिकारी प्रमोद बरुआ पर कांग्रेस से मिली भगत का आरोप लगाए साथ ही कार्यकर्ताओं की बात नही सुनते है। वह आये दिन कार्यकर्ताओं की बेज्जत करने से नही चूकते है। जिसपर उन्होंने कार्यकर्ताओं को भरोसा दिलाया कि वह विधायक से इस सम्बंध में चर्चा करेंगे। भाजपा की कामकाजी बैठक में स्थानीय नेताओं की उपस्थिति न के बराबर दिखी जिससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि दबोह में भारतीय जनता पार्टी के अंदर कुछ ठीक नही चल रहा है।इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष देवेंद्र उपाध्याय, केशव गुप्ता,रामलोचन शर्मा,पार्षद लालता कुशबाह,परमाल गुर्जर,संजीव यादव,ब्रजेंद्र गुर्जर, सुशील गोस्वामी,कुलदीप यादव,राजा यादव,राकेश यादव,आदि मौजूद रहे।

खरगोन पुलिस द्वारा आमजन में विश्वास ब?ाने व अपराधियो में भय पैदा कर नकेल कसने के उद्देश्य से किया पैदल भ्रमण

खरगोन जिले से मुन्ना खान
ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

आगामी त्योहारों को दृष्टिगत रखते हुए श्रीमान पुलिस उप महानिरीक्षक निमाड़ रेंज खरगोन श्री सिद्धार्थ बहुगुणा सर एवं पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री धर्मराज मीना जी द्वारा दिये गए निर्देशों के पालन में पुलिस चौकी जैतापुर द्वारा कस्बा जैतापुर क्षेत्र में पैदल भ्रमण कर आवारा घूमते संदिग्ध लोगों को रोका- टोकी की गई। साथ ही सड़क किनारे बेतरतीब हाथ ठेला लगाकर फल करने वाले व्यापारियों को

एवं अन्य सामग्रियों का व्यापार यातायात नियमो का पालन करने की हिदायत दी गई। इसके अतिरिक्त दिन के समय मे चौकी क्षेत्र के समस्त बैंक, एटीएम सहित सोनीपुरा मंडी का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। जिला अस्पताल के प्रसूति वार्ड व इ्र्र कक्ष के बाहर घूमते लोगो को चेक किया। अस्पताल के सेक्युरिटी गॉर्ड को हर ह्सम्य चौकन्ना रहने व किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना पुलिस को देने के संबंध में बताया गया।

खरगोन मण्डी में 29 अक्टूबर 03 नवंबर तक कपास एवं अनाज की नीलामी रहेगी बंद

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

कृषि उपज मण्डी खरगोन में धनतेरस, लक्ष्मी पूजन, प?वा एवं भाईदूज होने से 29 अक्टूबर से 03 नवंबर 2024 तक कपास एवं अनाज नीलामी का कार्य बंद रहेगा। कृषि उपज मण्डी खरगोन की सचिव श्रीमती शर्मिला निनामा ने समस्त किसान बन्धुओं से अपील की है कि वे असुविधा से बचने के लिए 29 अक्टूबर से 03 नवंबर तक मण्डी प्रांगण में कपास एवं अनाज विक्रय करने के लिए ना लाए।

29 अक्टूबर को मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना की द्वितीय किस्त का होगा अंतरण

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 29 अक्टूबर को मंदसौर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना की वर्ष 2024-25 की द्वितीय किस्त का किसानों के खाते में सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरण करेंगे। इस कार्यक्रम का खरगोन जिले के जिला मुख्यालय सहित ब्लॉक मुख्यालय पर भी सीधा प्रसारण दिखाया जाएगा। इस कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि भी शामिल होंगे। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के अंतर्गत प्रदेश सरकार द्वारा पात्र किसानों को 01 वर्ष में 02-02 हजार रुपये की 03 किस्तों में 06 हजार रुपये की राशि प्रदान की जाती है।

29 अक्टूबर को मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना की द्वितीय किस्त का होगा अंतरण

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 29 अक्टूबर को मंदसौर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना की वर्ष 2024-25 की द्वितीय किस्त का किसानों के खाते में सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरण करेंगे। इस कार्यक्रम का खरगोन जिले के जिला मुख्यालय सहित ब्लॉक मुख्यालय पर भी सीधा प्रसारण दिखाया जाएगा। इस कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि भी शामिल होंगे। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के अंतर्गत प्रदेश सरकार द्वारा पात्र किसानों को 01 वर्ष में 02-02 हजार रुपये की 03 किस्तों में 06 हजार रुपये की राशि प्रदान की जाती है।

आगामी त्योहारो के दृष्टिगत जिले मे पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च ??

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

आगामी त्योहार धनतेरस, दीपावली आदि को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री धर्मराज मीना के निर्देशन व अति. पुलिस अधीक्षक श्री मनोहर सिंह बरिया के मार्गदर्शन मे जिले के समस्त एसडीओपी व थाना प्रभारियों को फ्लैग मार्ग की कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था । इसी तारतम्य मे खरगोन पुलिस के द्वारा जिले के प्रत्येक थाना क्षेत्रांतर्गत फ्लैग मार्च/एरिया डॉमिनेशन की कार्यवाही की गई है ।पुलिस द्वारा की गई फ्लैग मार्च की कार्यवाही कर विश्वास और सुरक्षा की भावना को ब?ाने उद्देश्य से सांप्रदायिक/संवेदनशील इलाकों मे पैदल भ्रमण किया गया । पुलिस द्वारा फ्लैग मार्च की कार्यवाही करने से आमजन और पुलिस के बीच समन्वय स्थापित करने, जन मानस मे जागरूकता लाने, यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने एवं अपराधियों मे भय कायम करने मे सहायक होता है । एरिया डॉमिनेशन के साथ-साथ पुलिस के द्वारा सघन वाहन चेकिंग एवं होटल, लाज, ढाबों आदि को भी चेक किया जा रहा है । उक्त फ्लैग मार्च समस्त एसडीओपी, समस्त थाना प्रभारी, समस्त चौकी प्रभारी आदि थाने के स्टाफ के द्वारा अपने अपने थाना क्षेत्रों मे भ्रमण कर निकाला गया है ।

मूकबधिर दुष्कर्म पीडिता के परिजनों को सपा ने सौंपी आर्थिक सहायता सपा के प्रतिनिधि मंडल ने दिया हर संभव मदद का आश्वासन

अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट
पुष्पांजलि टुडे ललितपुर

ललितपुर। बीते दिनों कोतवाली तालबेहट के एक गांव में मूक बधिर बच्ची के साथ हुए दुष्कर्म के मामले को लेकर समाजवादी पार्टी ने आक्रोश जताया है। वहीं सपा जिलाध्यक्ष ने इस मामले को सपा मुखिया अखिलेश यादव के पास पहुंचाया। जिस पर उन्होंने गहरी चिंता व्यक्त की है। शुक्रवार को समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष नेपाल सिंह यादव के नेतृत्व में

जनपद स्तरीय एक एक प्रतिनिधि मंडल मेडीकल कालेज झांसी पहुंचा। जहां उन्होंने पीडित परिवार के आंसू पौंछकर उन्हें नकद आर्थिक सहायता सौंपकर हर संभव मदद का आश्वासन दिया। इस मौके पर सपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि पार्टी पीडित परिवार के साथ है। इस दौरान जिला महासचिव डा. शिशुपाल सिंह लोधी, राघवेन्द्र सिंह लोधी, हरीसिंह यादव जिजयावन, डा. हरनारायण सिंह लोधी मौजूद रहे।

पत्थर से कुचलकर की युवक की हत्या

गोरमी की पोरसा रोड़ पर खाली पड़े प्लाट में एक व्यक्ति की लाश मिली वह से निकलने वालों ने देखा तो इसकी सूचना पुलिस को दी पुलिस ने मौके पर पहुँचकर जांच शुरू की तो देखा कि मृतक के मुंह पर पत्थर के कई बार थे उसका चहरा पूरी तरह बिगड़ गया जिस कारण उसकी मौत हो गई तभी वह से शैलू कंसना अपने गाँव हार का गुलियापुरा से गोरमी जा रहा था भीड़ देखकर रुका तो उसने मृतक की पहचान की ओर बोला यह उसके चाचा बदन सिंह पिता अजब सिंह कंसाना उम्र 48 साल निवासी हार का गुलियापुरा है पुलिस ने बॉडी को पीएम के लिए गोरमी अस्पताल भेजा और जांच शुरू कर दी है

संपादकीय

कुछ तो बर्फ पिघली

यह कोई महज संयोग नहीं कि भारत और चीन रूस में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की पूर्व संध्या पर पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी पर गश्त लगाने पर एक समझौते पर पहुंचे है। इस निर्णय के गहरे कूटनीतिक व सामरिक निहितार्थ हैं। कूटनीतिक हलकों में संभावना जतायी जा रही है कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन के साथ द्विपक्षीय बैठक कर सकते हैं। कहना गलत न होगा कि सीमा विवाद से जुड़े इस फैसले ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच सौहार्दपूर्ण बातचीत के लिये एक मंच तैयार कर दिया है। यह एक हकीकत है कि जून 2020 में हुए गलवान संघर्ष के बाद दोनों देशों के रिश्तों में एक बर्फ सी जम गई थी। यहां तक कि दोनों देश द्विपक्षीय बातचीत करने से भी परहेज कर रहे थे। बहरहाल, गलवान संघर्ष के चार साल बाद आखिरकार दोनों देशों के पास दुनिया को कुछ सकारात्मक दिखाने को तो है। वैसे भी इस गतिरोध के चलते एक बेहद जटिल भौगोलिक परिस्थितियों में दोनों देशों की सेनाओं को चौबीस घंटे तैयार रहने की स्थिति में नजर आना पड़ता था। इसके अलावा इस घटनाक्रम से यह संदेश भी दुनिया में जाएगा कि दोनों देश बातचीत के जरिये अपने मतभेदों को सुलझा सकते हैं। यह घटनाक्रम उस विश्वास को भी मजबूती देगा, जिसमें कहा जा रहा है कि मोदी और शी जिनपिंग यूक्रेन–रूस संघर्ष में मध्यस्थ की भूमिका निभा सकते हैं। वैसे यह उम्मीद करना जल्दबाजी ही होगी कि भारत–चीन सीमा पर जमीनी हालात जल्द ही सामान्य हो जाएंगे। भारत को भी गहरे तक इस बात का अहसास है कि बीजिंग को सीमा समझौतों की अवहेलना करने की आदत है। ऐसे में इस आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है कि हालिया फैसले का भी ऐसा ही कोई हश्र हो। ऐसे में भारत को फूंक–फूंक कर कदम रखने की जरूरत है। वहीं दूसरी ओर अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रम में तेजी से आ रहे बदलावों और महाशक्तियों के निरंकुश व्यवहार के चलते दुनिया फिर दो ध्रुवों में बंटती नजर आ रही है। यही वजह है कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन और शी जिनपिंग ब्रिक्स समूह को ताकतवर बनाने के प्रयासों में जुटे हुए हैं। इस संगठन में नये देशों को शामिल करने की कवायद लगातार जारी है। बहरहाल, चीन की हालिया सकारात्मक पहल के बावजूद भारत को सतर्क रहने की जरूरत है। अतीत में चीन भारतीय सीमाओं में अतिक्रमण की कोशिश करता रहा है। गलवान में चीनी सैनिकों द्वारा यथास्थिति में एकतरफा बदलाव से ही इस विवाद ने तूल पकड़ा। उसके बाद भारत ने सैन्य व राजनयिक वार्ताओं के जरिये इस विवाद को दूर करने का भरसक प्रयास किया। लेकिन इसके बावजूद डेपसांग और डेमचोक के टकराव वाले बिंदुओं से चीनी सैनिकों की वापसी नहीं की गई। अतीत में देश ने चीनी हठधर्मिता के कई मामले देखे भी हैं। एक ओर चीन बातचीत से समस्या के समाधान की दुहाई देता है तो दूसरी ओर एलएसी के निकट बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे का निर्माण करता रहा है। ऐसे में भारत को भी सतर्कता के चलते बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे का निर्माण करने को बाध्य होना पड़ा। भारत सरकार और रक्षा बलों को चाहिए कि एलएसी पर हर गतिविधि पर कड़ी नजर रखें। अतीत में भी हमने चीन पर भरोसा करने की कीमत चुकाई है। जिसके जख्म देश महसूस करता रहा है। वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार को भी चाहिए कि सीमा की वास्तविक स्थिति से देश को अवगत कराते रहें। विगत में विपक्षी राजनीतिक दल सीमा पर चीनी अतिक्रमण की वास्तविक स्थिति से देश को अवगत न कराने के आरोप राजग सरकार पर लगाते रहे हैं। वे सरकार के उस तर्क से सहमत नहीं थे कि न कोई हमारी सीमा के अंदर है और न ही हमारी किसी पोस्ट पर कब्जा किया गया है। निस्संदेह, चीनी सीमा की संवेदनशीलता को स्वीकारते हुए जन भावनाओं का सत्ताधीशों को ख्याल रखना चाहिए। बहरहाल,अधिक सतर्कता और पारदर्शिता से भारत को चीन को बात आगे बढ़ाने के लिये प्रेरित करने में मदद मिल सकती है।

भाजपा प्रत्याशी रमाकांत भार्गव ने नामांकन दाखिल किया

- बुधनी से निकली भाजपा की विजय यात्रा लगातार आगे बड़ रही, इसे ऐतिहासिक बनाना है
- डॉ. मोहन यादव
- कार्यकर्ताओं की मेहनत व परिश्रम से बुधनी में भाजपा ऐतिहासिक विजय प्राप्त करेगी
- श्री विष्णुदत्त शर्मा
- रमाकांत भार्गव को मुझसे अधिक वोटों से चुनाव जिताकर विधानसभा भेजें
- श्री शिवराज सिंह चौहान
- डबल इंजन की सरकार में बुधनी सहित मध्यप्रदेश का हुआ चहुंमुखी विकास
- डॉ. महेंद्र सिंह

रघुवर दयाल गोहिया

सीहोर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा, केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान एवं प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने शुक्रवार को बुधनी के दशहरा मैदान में कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित कर रोड शो किया एवं बुधनी उप चुनाव में भाजपा प्रत्याशी श्री रमाकांत भार्गव का नामांकन पत्र दाखिल कराया।

कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बुधनी से निकली भाजपा की विजय यात्रा लगातार आगे बड़ रही है। इसे लगातार आगे बड़ाना है। बुधनी उप चुनाव में भाजपा ऐतिहासिक मतों से विजय हासिल कर जीत के सभी पुराने रिकार्ड तोड़ देगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत व परिश्रम से बुधनी और विजयपुर उप चुनाव में भाजपा ऐतिहासिक विजय हासिल करेगी।

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मेरा हर चुनाव कार्यकर्ताओं ने ही लड़ा है, यह उप चुनाव भी भाजपा कार्यकर्ता ही जिताएंगे। 2023 के विधानसभा चुनाव में मुझे जितने वोटों से चुनाव जिताया था, उससे अधिक वोटों से पार्टी प्रत्याशी श्री रमाकांत भार्गव को चुनाव जिताएं।

प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में बुधनी सहित मध्यप्रदेश का हुआ चहुंमुखी विकास हुआ है।

कार्यकर्ता सम्मेलन को पार्टी प्रत्याशी श्री रमाकांत भार्गव एवं युवा भाजपा नेता श्री कार्तिकेय सिंह चौहान ने भी संबोधित किया। कार्यकर्ता सम्मेलन के पश्चात रोड शो कर पार्टी के प्रदेश नेतृत्व ने बुधनी एसडीएम कार्यालय पहुंचकर पार्टी प्रत्याशी श्री रमाकांत भार्गव का नामांकन दाखिल कराया।

हर चुनाव भाजपा जीत रही, कांग्रेस की बज रही बैंड - डॉ. मोहन यादवमुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जिस तरह से गंगा जी हिमालय से निकलकर लगातार आगे बड़ती गई हैं, उसी तरह से मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी को मजबूत करने के लिए पार्टी की विजय यात्रा बुधनी विधानसभा से निकली है और लगातार आगे बड़ रही है। एक या दो चुनाव नहीं, भारतीय जनता पार्टी हर चुनाव जीत रही है और कांग्रेस की लगातार बैंड बज रही है। 2023 के विधानसभा चुनाव में हमने जीत का रिकॉर्ड बनाया और वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में तो मध्यप्रदेश में भाजपा सभी 29 सीटें जीतकर इतिहास रच दिया। कोई 5 लाख वोटों से जीता, तो कोई 7 लाख और किसी ने तो 10 लाख वोटों से प्रचंड जीत दर्ज की। यह भारतीय जनता पार्टी की ताकत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के समय में अच्छा खासा चलता हुआ नल भी बंद हो जाता था। हमारी सरकार ने चौतरफा विकास किया। स्कूल कॉलेज खोले गए, नल-जल योजना सहित अधोसंरचना से जुड़े अन्य काम हुए। हमारी सरकार बनी, तो अयोध्या में भगवान राम मुस्कुराए। भगवान श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा में वो मुस्लिम भाई तो पहुंचे थे, जिन्होंने कोर्ट में केस लड़ा, लेकिन कांग्रेस नेता राहुल गांधी, उनकी बहन और परिवार नहीं गया। अब जब कांग्रेस के लोग आपसे वोट मांगने आएं, तो उनसे यही पूछना कि आप श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में गए थे क्याड़ मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली हमारी सरकार ने भूटान और डोकलाम में किसी को आगे नहीं बड़ने दिया। गलवान घाटी से भी पांच साल बाद चीन को पीछे हटना पड़ रहा है, ऐसी है मोदी सरकार। उन्होंने कहा कि हमारी जीत सुनिश्चित है, लेकिन दुश्मन चालाक है। इसलिए हमें लगातार सतर्क रहना है और जीत के अपने प्रयासों में कोई कसर नहीं छोड़ना है। विकास का पहिया चलता रहे तथा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत की ताकत बड़ती रहे, इसके लिए आने वाले चुनाव में सब मिलकर पूरी ताकत से श्री रमाकांत भार्गव को जिताएं।

शिवराज जी ने विकसित राज्य बनाया, डॉ. मोहन यादव स्वर्णिम मध्यप्रदेश बना रहे-श्री विष्णुदत्त शर्मा

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि मध्यप्रदेश में वर्ष 2003 के बाद भारतीय जनता पार्टी के मुख्यमंत्रियों ने लगातार विकास की दिशा में काम किया है। केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री के तौर पर प्रदेश को बीमारू राज्य से निकालकर विकसित राज्य की दिशा दिखाई। अब श्री चौहान के प्रयासों को आगे बड़ाकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव स्वर्णिम मध्यप्रदेश बनाने की दिशा में हर क्षेत्र में तेजी से काम कर रहे हैं। श्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधनी के विकास की गाथा लिखी और अब बुधनी में हर जगह विकास ही विकास नजर आता है। देश के अंदर गरीब कल्याण की योजनाएं हां या फिर महिला को सशक्त करने का काम अगर किसी ने किया है तो प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के मुख्यमंत्रियों ने किया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मूल मंत्र 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' को आधार मानकर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश का विकास और गरीबों का कल्याण करने की दिशा में तेजी से काम कर रहे हैं। श्री शर्मा ने कहा कि देश भर में पार्टी का संगठन पर्व चल रहा है। संगठन पर्व में प्रदेश ने डेड़ करोड़ से ज्यादा सदस्य बनाकर इतिहास बनाया है। बुधनी में झूठ और छल-कपट की राजनीति नहीं चलेगी, यहां सिर्फ विकास की राजनीति करने वालों को जनता चुनेगी। मुझे विश्वास है कि बुधनी के कार्यकर्ता लोकसभा चुनाव के दौरान मिली बड़ी विजय को बरकरार रखकर न केवल डेड़ लाख से ज्यादा मतों से बड़ी जीत हासिल करेंगे, बल्कि मेरा बूथ सबसे मजबूत के साथ हर बूथ पर कांग्रेस की जमानत भी जब्त करा देंगे।

रिकॉर्ड बहुमत से भाजपा को जिताने का संकल्प लें कार्यकर्ता - श्री शिवराज सिंह चौहान

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि बुधनी की धरती कभी कांग्रेस का गड़ हुआ करती थी, लेकिन कार्यकर्ताओं ने अपनी मेहनत से यहां भाजपा को स्थापित किया है। कांग्रेस पार्टी अब कहीं भी जीतने वाली नहीं है। हरियाणा में कांग्रेस पार्टी की हवा निकल गई है और महाराष्ट्र तथा झारखंड में भी कांग्रेस नहीं आने वाली। मैं जब भी यहां से चुनाव लड़ता था, तो कार्यकर्ता ही मेरा चुनाव लड़ते थे और मुझे प्रचंड बहुमत से जिताते थे। मेरे सामने जो कार्यकर्ता बैठे हैं, हम सब एक ही हैं और भारतीय जनता पार्टी एक परिवार है। जब मेरा हर चुनाव कार्यकर्ताओं ने लड़ा है, तो रमाकांत भार्गव का चुनाव भी कार्यकर्ता ही लड़ेंगे और श्री भार्गव को मुझसे भी अधिक वोटों से जिताएंगे। इसके लिए सभी कार्यकर्ता प्रचंड बहुमत से कमल खिलाने का संकल्प लें। मैंने बुधनी क्षेत्र के विकास में भी कोई कसर नहीं छोड़ी। कांग्रेस के जमाने में सड़कें नहीं थीं, घोड़े पर बैठकर जाना पड़ता था। कांग्रेस के दिग्विजय सिंह के जमाने में तो क्रिकेट की पिच जैसी सड़क बनती थी। कोई सड़क पर निकल जाये तो हालत खराब हो जाती थी। कांग्रेस शासनकाल में बुधनी में स्कूल नहीं था। 2003 में भाजपा की सरकार बनी और मैं मुख्यमंत्री बना इसके बाद उत्कृष्ट विद्यालय, सीएम राइज विद्यालय, आइटीआई कॉलेज, मेडिकल कॉलेज बुधनी में खुले। कांग्रेस के जमाने में केवल एक फसल होती थी। भाजपा सरकार ने सिंचाई के पानी की व्यवस्था की और अब तीन-तीन फसल होती है। हमने सरकार नहीं चलाई, परिवार चलाया है। ये जो बैठे हैं, नेता या कार्यकर्ता नहीं, परिवार के सदस्य हैं। आपमें एक बीमार हो जाता है, तो जब तक ठीक नहीं होता, तब तक मैं बेचैन रहता हूं। सड़क, बिजली, पानी, सिंचाई के मामले में हमने विकास की नई इबारत लिखी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में एक गौरवशाली, वैभवशाली और शक्तिशाली भारत का निर्माण हो रहा है। मैं चाहता हूं कि श्री रमाकांत भार्गव को मुझसे ज्यादा वोटों से चुनाव जिताओ, जीत का नया रिकॉर्ड बनाओ।

बुधनी के कार्यकर्ता फिर इतिहास बनायेंगे - डॉ. महेंद्र सिंह

भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह ने कहा की बुधनी और विजयपुर उपचुनाव में भारत की संस्कृति, भारत की सभ्यता और भारत के आध्यात्म को जिताना है और कमल का फूल खिलाना है। इसलिए ज्यादा से ज्यादा मतदान करें, ताकि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की डबल इंजन सरकार में बुधनी सहित प्रदेश का हर क्षेत्र में विकास तेज रफ्तार से हो सके। प्रदेश की जनता ने लोकसभा और विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को बड़ी जीत दिलाई। भाजपा के कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत व परिश्रम से प्रदेश ने संगठन पर्व के सदस्यता अभियान में इतिहास बनाया है और मुझे विश्वास है कि बुधनी में भी कार्यकर्ता बड़ी विजय दिलाकर इतिहास बनाएंगे।

रोड शो में उमड़ा जनसैलाब, नारों से गूंज उठा पूरा क्षेत्रबुधनी दशहरा मैदान से एसडीएम कार्यालय के पास तक निकाले गए रोड शो में जनसैलाब उमड़ आया। हजारों की संख्या में स्थानीय लोग रोड शो के आगे चल रहे थे और सड़क किनारे खड़े होकर हजारों लोग रथ पर सवार भाजपा नेताओं पर पुष्पवर्षा कर अभिनंदन कर रहे थे। रथ पर सवार भाजपा प्रदेश नेतृत्व ने भी जनता का लगातार अभिनंदन करने के साथ पार्टी प्रत्याशी श्री रमाकांत भार्गव के लिए आशीर्वाद मांगा।

इस अवसर पर प्रदेश शासन के मंत्री श्री करणसिंह वर्मा, श्रीमती कृष्णा गौर, प्रदेश उपाध्यक्ष श्री कांतदेव सिंह, विधायक श्री हेमंत खण्डेलवाल, श्री सुदेश राय, श्री मुकेश टंडन, श्री गोपाल सिंह इंजीनियर, प्रदेश मीडिया प्रभारी श्री आशीष उषा अग्रवाल, पूर्व मंत्री श्री रामपाल सिंह, पूर्व मंत्री व विधायक डॉ. प्रभुराम चौधरी, जिलाध्यक्ष श्री रवि मालवीय, पूर्व विधायक श्री राजेंद्र सिंह राजपूत, वरिष्ठ नेता श्री गुरुप्रसाद शर्मा, श्री रघुनाथ सिंह भाटी, श्रीमती निर्मला बारेला, श्री महेश उपाध्याय, श्री धारा सिंह पटेल,श्री सुरजीत सिंह चौहान सहित पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राज्य माता गाय और मांसाहारी सावरकर

राम पुनियानी

गाय पिछले तीन दशकों से भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण भावनात्मक मुद्दा बनी हुई है। गाय को एक पवित्र पशु बताया जाता है। कई हिंदुओं के लिए गाय मां का दर्जा रखती है और हिंदू राष्ट्रवादी राजनीति ने समाज के ध्रुवीकरण के लिए इस आस्था का भरपूर इस्तेमाल किया है। हिंदुत्वादी विचारकों ने हिंदुत्व शब्द को मात्र हिंदू धर्म नहीं बल्कि समग्र हिंदुत्वता का प्रतिनिधित्व करने वाला शब्द बताया और आरएसएस ने इसी आधार पर अपनी राजनीति और हिंदू राष्ट्र के अपने लक्ष्य को निर्धारित किया और वह लगभग पिछले 100 सालों से इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए लगातार प्रयासरत है। पिछले तीन दशकों में आरएसएस की राजनीति की जड़ें बहुत मजबूत हुई हैं क्योंकि उसके द्वारा उठाए जाने वाले भावनात्मक मुद्दे देश के राजनीतिक परिदृश्य पर हावी हैं। गाय का मुद्दा एक बार फिर सुर्खियों में है। भाजपा के नेतृत्व वाले महाराष्ट्र के सत्ताधारी गठबंधन ने गाय (मगर केवल देसी गाय) को राज्यमाता–गौमाता घोषित किया है। यह पक्के तौर पर कहा जा सकता है कि ऐसा महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के मद्देनजर किया गया है। आम धारणा यह है कि भाजपा इन चुनावों में सशक्त स्थिति में नहीं है। हाल में हुए लोकसभा चुनाव में उसका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है और उसके बाद से वह लगातार इस तरह के ध्रुवीकृत करने वाले मुद्दों का सहारा लेने के प्रयास में जुटी हुई है। संयोग से लगभग इसी समय कर्नाटक के एक मंत्री ने बयान दिया है कि हिन्दू राष्ट्रवादी विचारधारा के पितृ पुरूष सावरकर गौवध के खिलाफ नहीं थे और वे गाय को पवित्र नहीं बल्कि एक अत्यंत उपयोगी पशु मानते थे। गांधी जयंती के अवसर पर बेंगलुरू में आयोजित एक कार्यक्रम में मंत्री दिनेश गुंडू राव ने दावा किया कि सावरकर न केवल मांसाहारी थे और बीफ का सेवन करते थे, बल्कि इसका सार्वजनिक प्रचार भी करते थे। कांग्रेस के मंत्री ने कहा कि सावरकर एक ब्राम्हण होने के बावजूद खानपान की परंपरागत बंदिशों का पालन नहीं करते थे बल्कि उनका नजरिया आधुनिक था। दिनेश गुंडु राव ने कहा, सावरकर ब्राम्हण थे, लेकिन वे बीफ खाते थे और मासाहारी थे। वे गौवध के विरोधी नहीं थे, बल्कि इस संबंध में उनका नजरिया काफी आधुनिक था। यह जाना–माना तथ्य है कि सावरकर मांसाहारी थे। दक्षिण अफ्रीका में अपने कार्यों के लिए समर्थन जुटाने के लिए अपनी यात्राओं के दौरान गांधीजी सावरकर से मिलने गए। सावरकर अपना रात्रि का भोजन तैयार कर रहे थे और झींगे तल रहे थे। उन्होंने इन्हें गांधीजी को भी पेश किया, जिन्होंने उनका सेवन करने से इंकार कर दिया क्योंकि वे विशुद्ध शाकाहारी थे। सावरकर यह भी कहते थे कि गायों को पूजा नहीं जाना चाहिए। लेखक वैभव पुरंदरे कहते हैं, सावरकर का नजरिया यह था कि गाय केवल बैल की मां है, और हालांकि उनके गौमांस सेवन का कोई दृष्टांत नहीं मिलता, लेकिन वे इसके खिलाफ नहीं थ। सावरकर द ट्रू स्टोरी ऑफ द फादर आफ हिंदुत्वश पुस्तक के लेखक पुरंदरे ने बंगलौर लिट्रेचर फेस्टिवल में कहा कि –गौरक्षा के मुद्दे पर सावरकर असमंजस में फंसे हुए थे क्योंकि उनका विचार था कि यदि हिंदुओं को आहत करने के लिए जानबूझकर गायों की हत्या की जाती है तो इससे समस्या पैदा होगी...लेकिन उनका मानना था कि यदि आप ऐसा सिर्फ इसलिए करते हैं क्योंकि आपको गौमांस पसंद है, तो इसमें कोई समस्या नहीं है,श लेखक ने आगे कहा। जहां तक गायों को पवित्र मानने का सवाल है, वैदिक काल में गायों की बलि देने के विवरण वाली बहुत सी लिखित सामग्री उपलब्ध है। स्वामी विवेकानंद ने अपने लेखन में कई जगह जिक्र किया है कि पवित्र अनुष्ठानों के दौरान गाय की बलि चढ़ाई जाती थी और गौमांस का सेवन भी वर्जित नहीं था। आपको आश्चर्य होगा यदि मैं आपको बताऊं कि प्राचीनकाल में होने वाले समारोहों में गौमांस का सेवन न करने वाले को अच्छा हिंदू नहीं माना जाता था। कई अवसरों पर बैल की बलि चढ़ाना और उसके मांस का सेवन अनिवार्य होता था। (विवेकानंद का शेक्सपियर क्लब, पेसाडेना, कैलिफोर्निया, अमरीका में दिया गया भाषण– इद कम्पलीट वर्क्स ऑफ स्वामी विवेकानंद, खंड 3 कलकत्तारू अद्वित आश्रम, 1997, पृष्ठ 536)। यह भी ध्यान देने योग्य है...कि श्स्वयं स्वामी विवेकानंद द्वारा स्थापित रामकृष्ण आश्रम द्वारा करवाए गए शोध कार्यों से भी इस बात की पुष्टि होती है। इनमें से एक कहता है श्वैदिक काल में ब्राम्हणों समेत आर्य मछली, मांस और यहां तक कि गौमांस तक का सेवन करते थे। किसी विशिष्ट अतिथि के प्रति सम्मान प्रदर्शित करने के लिए उसे भोजन में गौमांस परोसा जाता था। हालांकि वैदिक कालीन आर्य गौमांस का सेवन करते थे, लेकिन दूध देने वाली गायों को नहीं काटा जाता था। गाय का एक पर्यायवाची शब्द था अग्नया जिसका अर्थ होता है जिसका वध नहीं किया जाएगा। लेकिन वह अतिथि गोगना कहलाता था जिसके लिए गाय की हत्या की जाती थी। लेकिन केवल बैलों, बछड़ों और बांझ गायों का वध किया जाता था (सी कुन्हन राजा, श्वैदिक कल्चरश सतीश कुमार चटर्जी एवं अन्य (संपादक) द्वारा श्द कल्चरल हैरिटेज ऑफ इंडिया, खंड 1 (कलकत्ता रू रामकृष्ण मिशन, 1993) पृष्ठ 217 में उदृत)। अंबेडकर द्वारा किए गए अध्ययनों से भी इसकी पुष्टि होती है। प्राचीन भारत के इतिहासवेत्ता प्रोफेसर डी. एन. झा, उनके विद्वतापूर्ण अध्ययन, श्मिथ ऑफ होली काऊ में बताते हैं कि श्अथो अन्नं विया गऊ (गाय भोजन है) जैसे छंद वेदों में मौजूद हैं। बौद्ध धर्म और ब्राम्हणवाद के बीच हुए टकराव के कारण बाद में गाय को माता और पवित्र का दर्जा दिया गया। यह ब्राम्हणवाद के पुनरूत्थान और बौद्ध धर्म पर किए जाए रहे हमलों का हिस्सा था। उस समय भारत में बौद्ध धर्म का सफाया किया जा रहा था। बाद में स्वाधीनता संघर्ष के दौरान, जब हिंदू और मुस्लिम साम्प्रदायिक राजनीति ने जोर पकड़ा, तब गाय और सुअर का इस्तेमाल दोनों ताकतों ने अपनी–अपनी स्थिति मजबूत बनाने के लिए किया। मस्जिद में सुअर का मांस या मंदिर में गौमांस फेंकने जैसी हरकतें साम्प्रदायिक हिंसा भड़काने के लिए की जाने लगीं जिनसे इन विभाजक प्रवृत्तियों ने जोर पकड़ा। बाद में ऐसे मामले भी सामने आए जब हिंसा भड़काने के लिए मंदिरों में जानबूझकर गौमांस फेंका गया। गौहत्या पर प्रतिबंध जैसे मुद्दों के जोर पकड़ने और अखलाक से लेकर जुनैद और रकबर खान तक की हत्या इस मुद्दे पर किए जाने से मुस्लिम समुदाय में भय बढ़ता जा रहा है। इस प्रवृत्ति से अल्पसंख्यक समुदाय को कई मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है।

की हद पार - पति से मारपीट कर पति के सामने पत्नी से गैंगरेप, 8 दरिंदों नें की वारदात, 5 गिरफ्तार ...

भैरव बाबा मंदिर के समीप पिकनिक मनाने गया था नवदंपति जोड़ा, स्थानीय युवकों सहित रिश्तेदारों नें मिलकर की वारदात..

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। रीवा के गुढ़ थाने के भैरव बाबा क्षेत्र में पति-पत्नी घूमने आए थे। पहले से मौजूद पा आरोपितों ने पहले पति को पेड़ से बांध दिया। फिर उसकी पत्नी से सामूहिक दुष्कर्म किया। एक के बाद एक 7 नशेड़ी आरोपित महिला पर टूट पड़े। पुलिस ने दावा किया है कि 5 संदिग्धों को पकड़ा लिया गया है। बाकी आरोपितों की तलाश की जा रही है।

घटना के वक्त सभी आरोपित नशे में थे- पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार युवा दंपती पिकनिक मनाने के लिए गत सोमवार दोपहर भैरव बाबा क्षेत्र गया था। यहां उन्हें देखते ही आरोपितों ने पहले पति के साथ मारपीट की। फिर महिला से ज्यादती की। सभी आरोपित नशे में थे।

सामूहिक दुष्कर्म का वीडियो भी बनाया- आरोपितों ने सामूहिक दुष्कर्म का वीडियो भी बनाया। दंपती को धमकी भी दी कि केस दर्ज कराया तो इसे वायरल कर देंगे। पीड़ित दंपती ने गत मंगलवार को मामला दर्ज कराया है।

कॉलेज में पड़ने वाले दंपती की हाल ही में शादी हुई- दंपती कॉलेज में पड़ते हैं। हाल ही में उनकी शादी हुई है। डीएसपी हेड क्वार्टर हिमाली पाठक ने बताया कि महिला के साथ गैंगरेप की घटना सामने आई है। पीड़िता की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर आरोपितों की पड़ताल की जा रही है।

पुलिस ने तत्काल केस दर्ज कर लिया- रीवा के पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह का कहना है कि घटना गत 21 अक्टूबर की दोपहर में हुई है। पीड़िता 22 अक्टूबर की दोपहर थाने पहुंची। पुलिस ने तत्काल केस दर्ज कर लिया। इनमें दो प्राइम सस्पेक्ट लग रहे हैं। आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया।

नव विवाहित के साथ शर्मनाक घटना- नव विवाहित दंपति को पेड़ में बांध कर की गई दुष्कृत की घटना की मैं निंदा करती हूं, साथी मध्य प्रदेश की संवेदनहीन सरकार के आचरण की भी मैं निंदा करती हूं ज्ञातव्य है कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव डिप्टी सीएम सहित सब सोमवार को रीवा में ही थे।

अमानवियत की पराकाष्ठा पार की हैभाजपा की सरकार ने ,,घटना हृदय विदारक है 56 भोग लगाने में मशडुल सरकार को बेटी की चीत्कार सुनाई नहीं दी! सरकार इसी तरह पर्यटन हब बनेगा रीवाड़

हमेशा छेड़छाड़ एवं बदसलूकी होती रहती है- पर्यटन के रूप में स्थित भैरव बाबा क्षेत्र लोगों के आस्था का केंद्र है सुरक्षा के इंतजाम न होने से पर्यटन स्थलों में हमेशा पर्यटकों के साथ छेड़छाड़ एवं बदसलूकी की घटनाएं होती रहती हैं।

कई बार बदनामी की डर से प्राथमिकी भी दर्ज नहीं कराते- रीवा की कविता पांडेय ने बताया कि रीवा जिले में जितने भी पर्यटन के क्षेत्र हैं वहां स्थाई रूप से पुलिस चौकी की स्थापना होनी चाहिए जिससे हमारे आस्था के केन्द्र एवं प्राकृतिक सौंदर्य स्थलों पर हमारी बहन बेटियों के साथ इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति न हो सके।

लोकायुक्त संभाग रीवा की ट्रैप कार्यवाही

दैनिक पुष्पांजली टुडे

नाम आवेदक - श्री अभिमन्यु सिंह निवासी ग्राम चंदैनिया तहसील चुरहट जिला सीधी , मध्य प्रदेश

आरोपी - श्री विष्णु राम शर्मा बड़े बाबू प्रभारी लेखापाल नगर परिषद चुरहट जिला सीधी मध्य प्रदेश

ट्रेप रिश्वत राशि 6500 रुपए

घटना स्थल - आरोपी का कार्यालय कक्ष लेखा कक्ष /स्थापना शाखा ,नगर परिषद चुरहट जिला सीधीकार्य का विवरण- आरोपी श्री विष्णु राम शर्मा ने शिकायतकर्ता से उसके द्वारा किए गए कार्य के बिलों के भुगतान सीएमओ से कराने के ऐवज में रिश्वत मांगी थी , इस बात का सत्यापन लोकायुक्त संभाग रीवा के पुलिस अधीक्षक श्री गोपाल सिंह धाकड़ द्वारा कराया गया , शिकायत सत्यापन के दौरान आरोपी ने शिकायतकर्ता से ?6500 रुपए मांगे थे , आज दिनांक 25.10.2024 को पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में टीम गठित कर आरोपी लेखापाल विष्णु राम शर्मा को शिकायतकर्ता से ?6500 रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ ट्रैप किया गया है

ट्रेपकर्ता अधिकारी श्री प्रमेंद्र कुमार , उप पुलिस अधीक्षक

ट्रेप दल के सदस्य - श्री प्रमेंद्र कुमार उप पुलिस अधीक्षक , निरीक्षक जिया उल हक सहित 12 सदस्यीय टीम द्वारा कार्रवाही की जा रही है।

कंदैला नलजल योजना के सभी गांवों में पानी की नियमित आपूर्ति करने के निर्देश

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने जल जीवन मिशन की समूह नलजल योजनाओं की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि कदैला समूह नलजल योजना का कार्य पूरा हो गया है। इसमें शामिल सभी 109 गांवों में पूर्ण रूपेण अथवा आंशिक जलापूर्ति की जा रही है। सभी गांवों के हर मजरे-टोले में 15 दिवस में पानी की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करें। पानी आपूर्ति की तकनीकी बाधाओं को तत्काल दूर कराएं। क्षतिग्रस्त पाइपलाइनों में सुधार का कार्य प्राथमिकता से करें। निर्माण कार्य में किसी भी तरह की कठिनाई आने पर तत्काल प्रशासनिक अधिकारियों को अवगत कराएं। कलेक्टर ने कहा कि बाणसागर समूह नलजल योजना तथा टमस समूह नलजल योजना का कार्य भी तय समय सीमा में पूरा कराएं। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि निर्माण कार्यों में जहाँ शासकीय भूमि उपलब्ध नहीं है वहाँ आपसी सहमति से निजी भूमि का अधिग्रहण करके निर्माण पूरा करें। कदैला समूह नलजल योजना के सभी गांवों में पानी की नियमित आपूर्ति होने लगेगी तो सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतें भी निराकृत हो जाएंगी। बाणसागर दो समूह नलजल योजना के इंटेक वेल और जलशोधन संयंत्र के निर्माण में वन विभाग से शीघ्र अनुमति प्राप्त करें। इन निर्माण कार्यों को आगामी वर्ष 31 जनवरी तक अनिवार्य रूप से पूरा कराएं। इसके साथ-साथ गांवों में पाइपलाइन बिछाने और पानी की टंकी बनाने का काम भी तेजी से पूरा कराएं। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि टमस समूह नलजल योजना का कार्य धीमा है। इसके टंकी निर्माण की प्रगति भी संतोषजनक नहीं है। निर्माण एजेंसी अतिरिक्त संसाधन और मजदूर तैनात करके निर्माण कार्य में तेजी लाए। इसमें 312 प्रीकॉस्ट टंकियों का निर्माण किया जाना है। इसके लिए सामग्री संकलित करके कार्य शुरू कराएं। पाइपलाइन बिछाने के लिए स?क अथवा सोल्डर के क्षतिग्रस्त होने पर उसका तत्काल सुधार कराएं। जिन स्थानों में शासकीय भूमि पूर अवैध कब्जे के कारण निर्माण कार्य में बाधा आ रही है उनकी सूची उपलब्ध कराएं। संबंधित एसडीएम अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही करेंगे। बैठक में जल निगम के जिला प्रबंधक चित्रांशु उपाध्याय ने समूह नलजल योजनाओं की प्रगति की जानकारी देते हुए कहा कि कदैला योजना के सभी गांवों में 15 दिवस में पानी की नियमित आपूर्ति कर दी जाएगी। जिन गांवों में पानी की आपूर्ति की जा रही है उनसे 8 लाख रुपए से अधिक की राशि जल कर के रूप में प्राप्त हुई है। जिन ग्राम पंचायतों द्वारा जल कर की राशि नहीं दी जा रही है उनकी सूची जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को दी गई है। बैठक में सतना बाणसागर-2 समूह नलजल योजना के संबंध में बताया गया कि इंटेक वेल और जल शोधन संयंत्र का कार्य किया जा रहा है। निर्माण कार्य के लिए वन विभाग को 8.7 हेक्टेयर वन भूमि में अनुमति देने का प्रस्ताव वन मण्डलाधिकारी सतना को दिया गया है। सभी निर्माण कार्य मार्च 2025 तक पूरे किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। बैठक में जिला प्रबंधक जल निगम सतना नीरव अग्रवाल ने नलजल योजनाओं की प्रगति की जानकारी दी। बैठक में जल जीवन मिशन के अधिकारी तथा निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने हीरक जयंती समारोह आयोजन की तैयारियों की समीक्षा की

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज रीवा का हीरक जयंती समारोह गरिमापूर्ण ढंग से समारोह पूर्वक आयोजित किया जायेगा। उन्होंने आयोजन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए सभी व्यवस्थायें समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये। उल्लेखनीय है कि आगामी नवम्बर माह में महाविद्यालय का तीन दिवसीय हीरक जयंती समारोह आयोजित किया जायेगा। इंजीनियरिंग कॉलेज सभागार में उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने आयोजन की व्यवस्थाओं के लिये की जा रही तैयारियों का स्थल निरीक्षण किया तथा आयोजकों को निर्देशित किया कि व्यवस्थाओं में कोई कमी न रहे, सभी जरूरी इंतजाम निश्चित समय से पूर्व ही पूरे करा लिये जांय। उन्होंने निर्माणाधीन कॉलेज प्रवेश द्वारा, सेल्फी स्टैंड, एम्पी थियेटर एवं फुटपाथ का निरीक्षण किया तथा निर्माण एजेंसी को गुणवत्तापूर्ण कार्य करने के निर्देश दिये। उप मुख्यमंत्री ने महाविद्यालय में निर्माणाधीन मिनी आडिटोरियम निर्माण का स्थल निरीक्षण किया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इस दौरान उन्होंने महाविद्यालय के प्राचार्य एवं हीरक जयंती आयोजन समिति के एल्यूमनी सदस्यों से कार्यक्रम की अब तक की तैयारियों की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान नगर निगम के स्पीकर व्यंकटेश पाण्डेय, प्राचार्य डॉ. बी.के. अग्रवाल, विधायक प्रतिनिधि विवेक दुबे सहित आयोजन समिति के सदस्य व प्राध्यापक उपस्थित रहे।

पुलिया निर्माण के लिए भारी वाहन 19 फरवरी तक चलेंगे परिवर्तित मार्ग से भारी वाहनों के निकलने पर प्रतिबंध के आदेश

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा।मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम द्वारा रीवा शहडोल मार्ग में रीवा से गोविंदग? के बीच ग्राम अमिलकी में 11वें किलोमीटर पर पुलिया का पुनर्निर्माण कराया जा रहा है। इसका निर्माण कार्य फरवरी 2025 तक जारी रहेगा। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने निर्माणाधीन पुलिया से भारी वाहनों के निकलने पर प्रतिबंध के आदेश दिए हैं। यह प्रतिबंध 19 फरवरी 2025 तक लागू रहेगा। इस अवधि में भारी वाहन परिवर्तित मार्ग से चलेंगे। रीवा से शहडोल जाने तथा आने वाले भारी वाहन गोविंदग? से बेला-रीवा मार्ग का उपयोग करेंगे। रीवा से गोविंदग? की तरफ जाने वाले हल्के वाहन तथा दोपहिया वाहन 11वें किलोमीटर में ग्राम अमिलकी में बाणसागर नहर की सर्विस रोड का उपयोग करके आ जा सकते हैं। प्रतिबंध का आदेश 25 अक्टूबर से लागू कर दिया गया है।

विशेष कोचिंग के लिए शिक्षकों का चयन किया जाएगा आवेदन पत्र आज तक जमा किये जा सकेंगे

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। शासकीय ज्ञानोदय विद्यालय के बालक एवं कन्या छात्रावासों में प्रवेशित छात्र-छात्राओं को विशेष कोचिंग देकर मेडिकल, इंजीनियरिंग, चार्टर्ड एकाउंटेंसी एवं कंपनी सेक्रेटरी जैसी महत्वपूर्ण परीक्षाओं में सफलता के लिए शिक्षकों का चयन किया जाएगा। प्राचार्य से प्राप्त जानकारी के अनुसार नौवीं एवं दसवीं कक्षा के लिए गणित, विज्ञान एवं अंग्रेजी विषय के स्नातक एवं न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक व बीएड योग्यताधारी शासकीय एवं अशासकीय शिक्षक तथा 11वी व 12वी कक्षा के लिए भौतिक, रसायन, गणित, जीवविज्ञान, अंग्रेजी एवं वाणिज्य समूह में बहीखाता व अर्थशास्त्र के विषय के लिए स्नातकोत्तर एवं न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक व बीएड योग्यताधारी शासकीय व अशासकीय शिक्षक अपने आवेदन 26 अक्टूबर को शाम 4 बजे तक जमा कर सकते हैं। इस संबंध में विस्तृत जानकारी शासकीय ज्ञानोदय विद्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

रोजगार मेले में 160 युवाओं को मिला रोजगार का अवसर

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। मध्यप्रदेश संकल्प योजना कार्यक्रम के तहत बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला रोजगार कार्यालय एवं आईटीआई रीवा के संयुक्त तत्वाधान में आईटीआई रीवा में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया। इसमें 160 युवाओं को विभिन्न शासकीय और अशासकीय कंपनियों में रोजगार का अवसर मिला। इस संबंध में उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में कुल 392 आवेदकों ने पंजीयन कराया था। विभिन्न कंपनियों ने मौके पर साक्षात्कार लेकर इनमें से 160 युवाओं का चयन किया। एनसी सप्लाई प्रा. लि. में 35, टीडीके इंडिया प्रा. लि. में 15, ईजीएलओ लाइटिंग इंडिया प्रा. लि. में 15, वीवीडीएन इंडिया प्रा. लि. में 9, बोनटन टेक्नोमेक फर्नीचर प्रॉ. लि. इंदौर (आईसेक्ट) में 13, स्वतंत्र माइक्रोफिन प्रा. लि. भोपाल में 8, प्रगतिशील बायोटेक रीवा में 31, प्रगतिशील एग्रोटेक रीवा में 15 तथा एचडीएफसी लाईफ इश्योरेन्स लि. रीवा में 19 युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये गये। मेले के सफल आयोजन में जिला रोजगार कार्यालय तथा आईटीआई रीवा के अधिकारियों और कर्मचारियों ने सराहनीय योगदान दिया।

थाना जखौरा पुलिस, स्वाट/ सर्विलांस टीम द्वारा नाबालिक से दुष्कर्म करने वाले 25 हजार रुपये के इनामिया वांछित अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार ।

अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट पुष्पांजलि टुडे

श्रीमान् अपर पुलिस महानिदेशक कानपुर जोन कानपुर एवं श्रीमान् पुलिस उप महानिरीक्षक झांसी, परिक्षेत्र झांसी के निर्देश के क्रम में, श्रीमान् पुलिस अधीक्षक ललितपुर श्री मो0 मुश्ताक के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक जनपद ललितपुर श्री अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी सदर श्री अभय नारायण राय के निकट पर्यवेक्षण में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना जखौरा पुलिस, स्वाट/सर्विलांस की संयुक्त टीमों द्वारा स्थानीय लोगो की मदद से थाना जखौरा पर पंजीकृत मु0अ0सं0- 277/2024, धारा- 65(2) क्रह.स. व 3/4 पॉक्सो एक्ट में प्रकाश में आये वांछित अभियुक्त मनोहर उर्फ मनोज उर्फ मनो पुत्र भगवानदास रैकवार उम्र करीब 42 वर्ष नि0 ग्राम खसुअन मुहल्ला, घिसौली थाना जखौरा जनपद ललितपुर को रेंज चौकी के पास थाना जखौरा क्षेत्र के जंगल से गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की जा रही है। उक्त अभियोग को आपरेशन कन्विक्शन के तहत चिन्हित कर प्रभावी पैरवी कराकर अभियुक्त को अधिक से अधिक सजा दिलायी जायेगी।घटना का संक्षिप्त विवरण वादिया ने प्रार्थना पत्र देकर अवगत कराया कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा वादिया की मूक बधिर पुत्री उम्र 10 वर्ष के साथ दुष्कर्म करने के सम्बंध में सूचना दी।सूचना के आधार पर तत्काल थाना जखौरा जनपद ललितपुर मे सुसंगत धाराओं मे अभियोग पंजीकृत कर पीडिता को महिला आरक्षी की मदद से मेडीकल उपचार हेतु जिला अस्पताल भेजा गया।प्रकरण की गम्भीरता को देखते हुए क्षेत्राधिकार सदर के नेतृत्व में अभियुक्त की पहचान व शीघ्रगिरफ्तारी हेतु 08 टीमे जिसमें थाना जखौरा पुलिस, स्वाट, सर्विलांस, साइबर थाना, थाना कोतवाली, थाना जाखलौन, थाना तालबेहट व अन्य थानो व जनपद के चौकी इंचार्जों को लगाया गया था। सर्विलांस (मैनुअली/टैक्निकली) व अन्य साक्ष्य संकलन के आधार पर अभियुक्त मनोहर उपरोक्त का नाम प्रकाश में आया था। अभियुक्त घटना कारित करने के दिन से फरार चल रहा था जिसके सम्बन्ध में जनता के लोगो के मध्य पम्पलेट बांटे गये व रेलवे स्टेशन, बस स्टैण्ड आदि जगहों पर अभियुक्त की फोटो चस्पा की गयी, सोशल मीडिया पर प्रचार-प्रसार किया गया व जनता के लोगो का सहयोग भी लिया गया। श्रीमान् पुलिस अधीक्षक ललितपुर श्री मो0 मुश्ताक द्वारा अभियुक्त की जानकारी प्रदान करने वाले को 25000 रूपयो का

ईनाम घोषित किया गया था। अभियुक्त घटना के दिन से ही जंगलो में छिप कर रहा रहा था। गठित टीमो द्वारा जंगल क्षेत्रों में लगातार काम्बिंग कर स्थानीय लोगो की मदद से अभियुक्त मनोहर उपरोक्त को गिरफ्तार किया गया है।

गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण-

मनोहर उर्फ मनोज उर्फ मनो पुत्र भगवानदास रैकवार उम्र करीब 42 वर्ष नि0 ग्राम खसुअन मुहल्ला, घिसौली थाना जखौरा जनपद ललितपुर।

अभियुक्त का आपराधिक इतिहास-

1. मु0अ0सं0 498/2004 धारा 147/323/332/353/504/506 भादवि थाना जखौरा
2. मु0अ0सं0 313/2014 धारा 18/20 एनडीपीएस एक्ट थाना जखौरा
3. सि0नं0 1339/09 धारा 110 जी सीआरपीसी थाना जखौरा
4. सि0नं0 1567/09 धारा 3 यूपी गुण्डा अधिनियम थाना जखौरा 5. मु0अ0सं0- 277/2024, धारा- 65 (2) क्रह.स. व 3/4 पॉक्सो एक्ट

गिरफ्तार करने वाली टीम-

1. श्री राहुल राठौड थानाध्यक्ष जखौरा जनपद ललितपुर मय टीम
2. श्री अतुल तिवारी प्रभारी स्वाट मय टीम
3. श्री आलोक कुमार सिंह प्रभारी सर्विलांस मय टीम

रोन्ग साईड चलने वालों पर चालानी कार्यवाही करें टोल प्लाजा पर एक रो एम्बुलेंस के लिये खाली रहे

कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

मुरैना /नगर निगम मुरैना के अंतर्गत ट्राफिक व्यवस्था में सुधार किया जाए, भले ही रोन्ग साईड चलने वाले वाहनों पर चालानी कार्यवाही ट्राफिक पुलिस करे, ताकि शहर में जाम के हालात न बने। टोल प्लाजा पर एक रो एम्बुलेंस के लिये खाली रहे यह टोल प्रबंधक सुनिश्चित करे। यह निर्देश कलेक्टर श्री अंकित अस्थाना ने सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में समस्त अधिकारियों एवं पुलिस को दिये। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक समीर सौरभ, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अनुराग ठाकुर, अपर कलेक्टर सी.बी. प्रसाद, एसडीएम मुरैना बी.एस. कुशवाह, नगरनिगम कमीश्नर सतेन्द्र धाकड़, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्रीमती अर्चना परिहार, पीडब्ल्यूडी, शिक्षा, विद्युत, स्वास्थ्य, एनएचआई, सिंचाई, टोल मैनेजर सहित सड़क सुरक्षा समिति के अधिकारी बैठक में उपस्थित थे।कलेक्टर श्री अंकित अस्थाना ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-552 जौरा रोड की खराब स्थिति को तत्काल सुधार किया जाये। मुरैना से अम्बाह रोड पर छतिग्रस्त मार्ग एवं गढ्ढो आदि को चिन्हित कर तत्काल सुधार कराये जाये। बस स्टेण्ड के मुख्य द्वार पर ईको गाड़ियों एवं अन्य वाहनों के अनावश्यक खड़े होने से होने वाली समस्या के समाधान एवं स्थान पर जलभराव की समस्या के समाधान हेतु नगर निगम कमीश्नर को निर्देश दिये। एमएस रोड हास्पीटल के सामने दवा मार्केट, पुलिस तिराहा एवं अन्य प्रतिष्ठानों के बाहर वाहनो को अनावश्यक खड़ा करने से होने से एवं एमएस रोड पर अत्यधिक संख्या मे ई-रिक्शा के संचालन से जाम के हालात बनते हैं इसमें ट्राफिक पुलिस सुधार करे। शहरी सीमा में आवारा पशुओं से होने वाली समस्या के समाधान

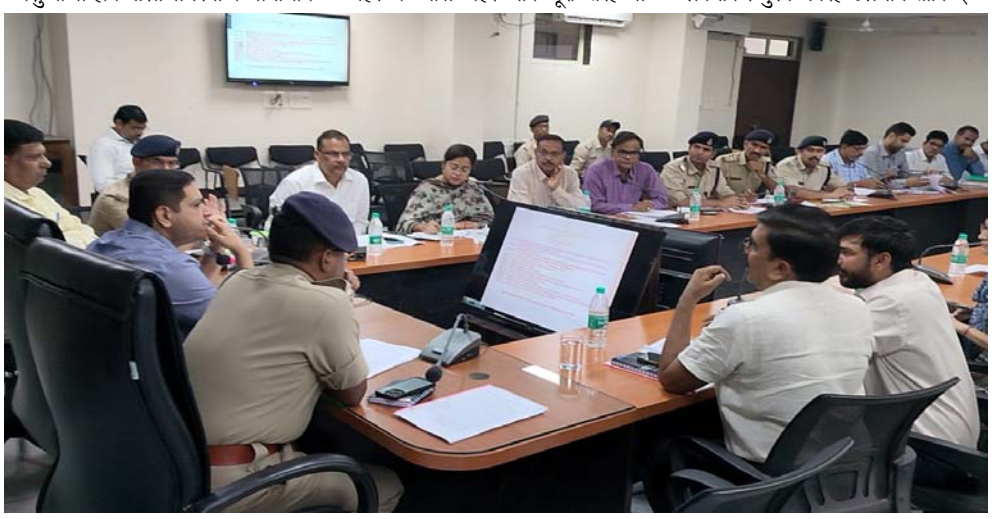

के संबंध में नगर निगम कमीश्नर को निर्देश दिये। शिकारपुर फाटक पर जाम की स्थिति के समाधान हेतु पोल शिफ्टिंग। एनएच 3 मुरैना से ग्वालियर मार्ग पर सैयद नहर के पास नहर मार्ग पूरी तरह से छतिग्रस्त है, वहां हाउसिंग बोर्ड नवीन सड़क का नगर सौंदर्यकरण करने के नाम से सड़क स्वीकृत करायें। नगरनिगम कमिश्नर रोड के बगल से सोल्डर लगवाकर मुरम वगैरह डलवायें ताकि ई-रिक्शा रोड छोड़कर खड़े हो सकें और अम्बाह वाईपास (काका ढाबा के पास) पर फुट ब्रिज लगवाया जाये। कलेक्टर ने नगर निगम कमिश्नर को निर्देश दिये कि शहर के अंदर नालियों के चोक के स्थलों का निरीक्षण करें, ताकि नाले और नालियो से पानी गलियों में न पहुंचे। पुलिस अधीक्षक श्री समीर सौरभ ने कहा कि नगरनिगम के अंतर्गत ट्राफिक पुलिस यह सुनिश्चित करे कि अंबाह तिराहे पर रेत के टेक्टर न लगे इसके लिये वहां पर भ्रमण करते रहें। टेक्टरों से भी जान के हालात बनते हैं। उन्होंने कहा कि नेहरू पार्क के पास एमएस रोड पर बीच में डिवाईडर खोला गया है, वहां पर ट्राफिक पुलिस कर्मचारी रहे और हॉस्पीटल गेट पर भी ज्यादा जाम के हालात बनते हैं वहां भी ई-रिक्शों पर कार्यवाही करें। बैठक में क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ने बैठक के एजेन्डा पड़कर सुनाया।

वन परिक्षेत्र पहाडगढ़ अंतर्गत वन भूमि से अतिक्रमण बेदखली की कार्यवाही कर 40 बीघा वन भूमि अवैध अतिक्रमण से मुक्त

मुरैना /वन परिक्षेत्र पहाडगढ़ के अंतर्गत बीट धौंधा में वन विभाग की भूमि पर अतिक्रमणकारियों द्वारा लगभग 40 बीघा भूमि पर बागड़ कर अवैध जुताई कर फसल बुवाई की जा रही थी। जिसकी सूचना प्राप्त होने पर वनमंडलाधिकारी श्री स्वरूप दीक्षित के निर्देशन में उप वन मंडलाधिकारी के मार्गदर्शन में वन परिक्षेत्र अधिकारी पहाडगढ़, वन परिक्षेत्र अधिकारी देवरी एवं थाना प्रभारी पहाडगढ़ की उपस्थिति में वन विभाग और पुलिस द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुये मौके पर बागड़ नष्ट करके अतिक्रमित क्षेत्र में खंती खुदवाकर फसल नष्ट की गई। इस भूमि पर ग्राम खोरी निवासी जगनिया मोंगिया, हरी मोंगिया, महादेव मोंगिया, लक्ष्मण मोंगिया, बालकिशन मोंगिया एवं अन्य द्वारा अतिक्रमण करके फसल बुवाई की जा रही थी, जिसको जेसीबी मशीन की सहायता से नष्ट किया गया। 40 बीघा वन भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। इस कार्यवाही में उप वन मंडलाधिकारी श्री कुलदीप राजौदिया, वन परिक्षेत्र अधिकारी पहाडगढ़ श्रीमती हिना खान, गेम रेंजर देवरी श्रीमती रिंकी आर्य, थाना प्रभारी पहाडगढ़ श्री आर. एस. परिहार, श्री कीर्ति शांडिल्य, श्री अशोक शाक्य, नबाब धाकड़, बांकेलाल कुशवाह, धर्मेन्द्र शाक्य, सुरेन्द्र सोनवार, प्रताप धाकड़, दिनेश शर्मा एवं अन्य स्टाफ का विशेष योगदान रहा।

अप्रारंभ निर्माण कार्यो की जानकारी टीएल बैठक में अधिकारी प्रस्तुत करें

कलेक्टर की अध्यक्षता में 25 लाख से अधिक के निर्माण विकास कार्यो की बैठक सम्पन्न

मुरैना समीक्षा के दौरान पाया गया कि कई विभागों में 25 लाख से अधिक निर्माण कार्य स्वीकृत तो है, किन्तु भूमि विवाद या अन्य किसी ठेकेदार की लापरवाही से प्रारंभ नहीं हो पा रहें है। उन कार्यो को अधिकारी लगन के साथ प्रारंभ करायें, भूमि विवाद या अन्य किसी कारण से जो कार्य अप्रारंभ है, उनकी जानकारी टीएल बैठक में प्रस्तुत करें। ताकि राजस्व अधिकारियों के साथ बैठकर उसकी समस्या का समाधान निकाला जा सके। यह निर्देश कलेक्टर श्री अंकित अस्थाना ने 25 लाख से अधिक के निर्माण कार्यो की समीक्षा बैठक के दौरान दिये। बैठक में कलेक्टर ने पीडब्लयूडी, पीआईयू, पीएमजेएसवाय, डब्ल्यूआरडी, एमपी आरडीसी, ब्रिज कॉर्पोरेशन और हाउसिंग बोर्ड के कार्यो की समीक्षा की। बैठक में आरईएस श्री आर.आर. सुमन, एमपी आरडीसी से श्री बीपी सिंह, ई डब्ल्यूआरडी से श्री पीएस जाटव, श्री राहुल यादव, ई हाउसिंग बोर्ड से श्री एमडी अहिरवार, ई एमपीडीआईपीआर से श्री आरएस त्रिपाठी, डब्ल्यूआरडी से श्री आरपी सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में पीडब्ल्यूडी के श्री जादौन ने बताया कि विभाग द्वारा 70 कार्य प्रारंभ है, इनमें 48 कार्य प्रगतिरत है। पीआईयू के कार्यपालन यंत्री श्री अहिरवार ने बताया कि विभाग द्वारा 20 कार्य स्वीकृत किये थे, जिनमें 15 कार्य चालू है, 4 कार्य अप्रारंभ है। जिनमें से सरसैनी और नूरावाद स्कूल का कार्य भी अभी अप्रारंभ है। कलेक्टर ने टीएल बैठक में बात रखने का सुझाव दिया। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के कार्यपालन यंत्री ने बताया कि विभाग के अंतर्गत 8 कार्य स्वीकृत है, जिनमें से 01 कार्य पूर्ण हो चुका है। शेष कार्य प्रगतिरत है। जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री पी.एस. जाटव ने बताया कि विभाग के अंतर्गत 05 कार्य स्वीकृत है, सभी कार्य प्रगतिरत है। बैठक में एमपीआरडीसी, ब्रिज कॉर्पोरेशन और हाउसिंग बोर्ड के कार्यो पर विस्तार से समीक्षा की गई।

युवा संवाद एवं कृषक संगोष्ठी का आयोजन आज

मुरैना /पीएम-एफएमई योजना के अंतर्गत जिला आधारित ओडीओपी युवा संवाद एवं कृषक संगोष्ठी का आयोजन 25 अक्टूबर, 2024 को प्रातः 10:30 बजे किया जायेगा। सहायक संचालक उद्यान ने बताया कि यह कार्यक्रम कृषि विज्ञान केन्द्र मुरैना के सभाकक्ष में आयोजित किया जायेगा।

कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास में सिविल हॉस्पिटल जौरा ने लगाया स्वास्थ्य जागरूकता शिविर तीस छात्राओं को वितरित किये गये निःशुल्क चश्मा

आंखों के परीक्षण व उपचार के लिये सिविल हॉस्पिटल जौरा के कमरा नंबर 8 में दिखायें मुरैनमुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पद्मेश उपाध्याय के निर्देशन में मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. आरएस सेमिल के मार्गदर्शन में सिविल हॉस्पिटल जौरा द्वारा कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास अलापुर में स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में हॉस्पिटल के नेत्र सहायक आरएच त्यागी, आईसीटीसी परामर्शदाता संदीप सेंगर, कुष्ठ इकाई से एनएमए कमलेश कुमार श्रीवास्तव, क्षय ईकाई से एसटीएस दिनेश पचौरी, छात्रावास के प्राचार्य संजय शर्मा सहित छात्राएं मौजूद थीं। शिविर में उपस्थित छात्राओं को नेत्र सहायक रामहेत त्यागी द्वारा पूर्व में छात्राओं के किए गए नेत्र परीक्षण के आधार पर बनाए गए चश्मा वितरित किए। उन्हें आंखों की देखभाल व रख-रखाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सिविल हॉस्पिटल जौरा द्वारा प्रत्येक सोमवार को निःशुल्क लैंस प्रत्यारोपण शिविर के लिये मरीज का परीक्षण एवं भर्ती हेतु मार्गदर्शन दिया जाता है। इसलिए आंखों के परीक्षण एवं उपचार के लिये कमरा नंबर 8 में अवश्य दिखायें। अस्पताल द्वारा वरिष्ठ वृद्धजनों एवं विद्यालय के छात्र-छात्राओं को नेत्र परीक्षण उपरांत निःशुल्क चश्मा वितरण किए जाते हैं। उन्होंने छात्राओं से कहा कि उनके परिवारजन या जनसमुदाय को आंखो से संबंधित किसी भी प्रकार की परेशानी है तो वह कमरा नंबर 8 सिविल हॉस्पिटल जौरा में आकर अपनी आंखों की जांच कराकर निःशुल्क उपचार ले सकते हैं।कार्यक्रम में आईसीटीसी के परामर्शदाता श्री संदीप सेंगर ने एचआईवी संक्रमण के कारणों को विस्तार से समझाया। साथ ही एचआईवी वायरस एवं एड्स के बारे में छात्राओं की जिज्ञासाओं व भ्रांतियां को दूर किया गया। आईसीटीसी की कार्य प्रणाली से अवगत कराते छात्राओं को एचआईवी एड्स एवं एक्ट 2017 की जानकारी की पेंम्पलेटो का वितरण कर अधिक जानकारी के लिये टोल फ्री नंबर 1097 की जानकारी दी गई।रात्रि कालीन पसीने के साथ हल्का बुखार आता है, उसका वजन कम हो रहा है या फिर उसे भूख नहीं लग रही है तो ऐसे कई लक्षण टीवी बीमारी के लक्षण होते हैं। अगर आपके आसपास ऐसे लक्षण वाले व्यक्ति दिखाई देते हैं तो उनके खाकर परीक्षण के लिये उन्हें सिविल हॉस्पिटल अवश्य भेजें। क्षय रोगियों की जांच एवं डॉट पद्धति से उनका उपचार निःशुल्क किया जाता है।

भारत सरकार के सौजन्य से खेत पाठशाला का आयोजन ग्राम सीताराम की लावन में किया

मुरैना /भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत केंद्रीय एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन केंद्र मुरैना द्वारा चौदह साप्ताहिक किसान खेत पाठशाला का आयोजन भिण्ड जिले के गोरमी विकासखण्ड के ग्राम ग्राम सीताराम की लावन में किया गया। कार्यक्रम के तहत 35 किसानों को आईपीएम आधारित कृषि के विभिन्न पहलुओं के लिए प्रशिक्षित किया गया। किसानों को आईपीएम के घटक जैसे सस्य, यंत्रिक, जैविक और रसायनिक क्रियाएं के माध्यम से फसल में लगने वाले कीट और बीमारी के प्रबंधन तरीकों के बारे में जानकारी दी गई। किसानों को कृषि पारिस्थितिकी तंत्र विश्लेषण, कीटनाशकों के सुरक्षित और विवेकपूर्ण उपयोग के बारे में भी बताया गया। कार्यक्रम के दौरान किसानों को प्रदर्शन के उद्देश्य से कीट एवं रोग प्रबंधन के लिए फेरोमोन ट्रैप, ट्राइकोग्रामा प्रजाति अंडा कार्ड एवं ट्राइकोडर्मा, बेवेरिया बेसियाना, मेटारिजियम जैसे एन्टोमोपैथोजेनिक कवक उपलब्ध कराए गए एवं किट वितरित की गई। कार्यक्रम में प्रभारी श्री सुनीत कुमार कटियार, वनस्पति संरक्षण अधिकारी श्री अभिषेक सिंह बादल सहायक वनस्पति संरक्षण अधिकारी उपस्थित थे।

पशु स्वास्थ्य और पशुपालन केसीसी शिविर ग्राम सुजरमा में सम्पन

मुरैना /कलेक्टर श्री अंकित अस्थाना के निर्देशानुसार सीईओ जिला पंचायत डॉ. इच्छित गड़पाले के मार्गदर्शन में कैलारस विकासखण्ड के ग्राम सुजरमा में गुरूवार को पशु स्वास्थ्य शिविर व पशुपालन केसीसी शिविर का आयोजन किया गया है। सीआईआई दिल्ली भारत सरकार के सौजन्य से पशु पालन विभाग और आलोपी आजीविका दुग्ध उत्पादक कम्पनी, मध्यप्रदेश डे राज्य ग्रामीण आजीवीका मिशन द्वारायह शिविर लगाया गया। इस शिविर में लगभग 118 समूह सदस्यों ने सहभागिता की। मौके पर 115 भैंस, गायों और 150 बकरी का उपचार किया गया। 275 पशुओं को दवा वितरण की गई। 150 लोगों को पशु केसीसी के पंजीयन किये गये। शिविर पशुपालन एवं डेयरी विभाग के उप संचालक डॉ. आरएम स्वामी, जनपद सीईओ कैलारस श्री रामपाल करजरे, जिला परियोजना प्रबंधक श्री दिनेश सिंह तोमर, जिला प्रबंधक कृषि श्री वीरेश भदौरिया, सीआईआई दिल्ली के भारत सरकार द्वारा वित्तीय व तकनीकी सहयोग श्री फारूक, डॉ. ह्रदेश अवस्थी, डॉ. मनीष राय, डॉ. निधीश भारद्वाज, समाजसेवी श्री कन्हैया लाल गुर्जर, सरपंच श्री अनुराग दुबे, सचिव श्री जगदीश शाक्य सहित दवा वितरण टीम प्रमुख रूप से उपस्थित थी।

डॉ हेमंत जैन की तरफ से दतिया बासियों के लिए दीपावली का तोहफा अब सभी प्रकार की बीमारियों के लिए परामर्श शुल्क मात्र 100/- लेंगे डॉ हेमंत जैन सैनिक एवं उनके परिवारजनों से कोई भी परामर्श शुल्क नहीं लेते हैं डॉ हेमंत जैन मेडिसिन विशेषज्ञ एवं मेडिकल कॉलेज में एसोसिएट प्रोफेसर हैं डॉ हेमंत जैन निशुल्क स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से पीड़ित मानवता की सेवा करते रहे हैं

बारवी पास कर बना झोला छाप डॉक्टर अब कर रहे ग्रामीणों का इलाज

शक्ति जिला में उच्च न्यायालय और नर्सिंग होम एक्ट के सारे नियमों को ताक में रखकर झोलाछाप डॉक्टरों की डॉक्टरी खूब शबाब में है।इसकी गोरख धंधा नियमो को पार कर चुकी है सरकार ने लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उ पलब्ध कराने नर्सिंग होम एक्ट लागू किया है। इस एक्ट में अवैध रूप से संचालित क्लीनिकों पर कार्रवाई का प्रावधान है, मगर इसके बाद भी जिले में बड़ी संख्या में अवैध रूप से क्लीनिक, पैथोलेब व नर्सिंग होम संचालित किए जा रहे हैं। नर्सिंग होम एक्ट अंतर्गत निर्धारित मापदण्डों पर खरा उतरने के बाद ही निजी अस्पताल संचालकों को लाइसेंस जारी किया जाता है जिसमें ऐसे डॉक्टर ही क्लीनिक संचालन कर सकेंगे जो शासन के गाईड लाइन का पालन करते हों।एक्ट के मापदण्डों के अनुसार जिले में मात्र एमबीबीएस डॉक्टर ही नियम व शर्तो के अनुसार क्लीनिक का संचालन कर सकते हैं।वही बारवी पास खुद को डॉक्टर बता के ग्रामीण क्षेत्रों में धड़ल्ले से क्लीनिकों का संचालन कर रहे हैं जबकि इसके लिए वे अधिकृत नहीं है।बावजूद इसके शक्ति जिले के ग्राम बडे मूडपार मे फागून लाल नाम का झोला छाप डॉक्टर मरीजों के लिए आफत बन गया है ,जो अवैध रूप से क्लिनिक संचालन कर मरीजों से मनमानी राशि वसूल रहे हैं न तो इसके पास इलाज संबंधी न कोई डिग्री है न कोई डिप्लोमा है, और न ही स्वास्थ विभाग से इलाज संबंधी कोई दस्तावेज है ,उसके बावजूद भी खुले आम अवैद्य क्लीनिक संचालन कर मरीजों को मौत के मूंह में धकेल रहे है बाजूवद इसके स्वास्थ्य विभाग द्वारा अवैध रूप से संचालित निजी क्लीनिक संचालकों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जाती है

गोहद में सम्पदा 2.0 सॉफ्टवेयर से हुई पहली ई-रजिस्ड़्री

दैनिक पुष्पाजलि टुडे

मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार भिण्ड जिले में अचल संपत्ति की पंजीयन प्रक्रिया संपदा 2.0 पर प्रारंभ हो गई है। जिसमें गोहद तहसील अंतर्गत श्री प्रदीप पुत्र रामसनेही शर्मा निवासी सांगोली ने संपदा 2.0 पर दिनांक 25 अक्टूबर 2024 को पहली ई-रजिस्ड़्री उप पंजीयक श्री के,एवं,टिग्गा के कार्यालय में सर्विस प्रोवाईडर कंजोलिया ई-स्टांप सर्विसेज (जीतेन्द्र शर्मा) के द्वारा करायी गयी। सम्ड़पदा 2.0 सॉफ्टवेयर की शुरूआत गत दिनों मुख्ड़यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा भोपाल में की गयी थी। इस सॉफ्टवेयर के जरिए गवाहों के कार्यालय में आने की बाध्ड़यता समाप्ड़त होने के साथ ही अन्ड़य नई सुविधाड़ं मिलने से रजिस्ड़्री प्रक्रिया पेपरलेस व आसान हो गयी है। सम्ड़पदा 2.0 में फर्जी रजिस्ड़्री पर भी रोक लगेगी और पक्षकारों की बायोमेट्रिक पहचान भी सुनिश्चित होगी एवं इसके अतिरिक्त संपत्ति की जीआईएस मैपिंग होने से सीमा निर्धारण विवाद गड़बडी नहीं हो सकेगी। तथा पक्षकारों की पारदर्शिता होकर स्टांप शुल्क की चोरी पर पूर्णतः रोक लग सकेगी।मास्टर ट्रेनर श्रीमती चेष्टा जैन एवं श्री पंकज शर्मा सहायक ई-गवर्नेन्ड़स प्रबंधक द्वारा जिला पंजीयक कार्यालय के अधिकारियों एवं सर्विस प्रोवाइडर्स को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। सर्विस प्रोवाइडर तकनिकी समस्या आने पर सहयोग हेतु मास्टर ट्रेनर्स से संपर्क कर सकते हैं। इस अवसर पर उप पंजीयक श्री. के,एवं,टिग्गा ने आम जन से अपील करते हुए कहा कि हितग्राही अपने सभी दस्तावेज आधार कार्ड, पैन कार्ड में सुधार कराकर रखें ताकि सरकार की महत्ड़वाकांक्षी योजनांर्तत सम्ड़पदा 2.0 सॉफ्टवेयर से पंजीयन करा सकें।लोगों ने सर्वर डाउन होने पर दिए कुछ आवश्यक सुझाव- स्थानीय नागरिक देवेश शर्मा ,भानु शर्मा, जितेंद्र शर्मा ने सुझाव देते हुए बताया कि सर्वर की कमी के कारण कई बार पक्षकारों के हस्ताक्षर नहीं हो पाते हैं अतः इस विकल्प के रूप में आधार ओटीपी एक अच्छा विकल्प हो सकता है अतः शासन द्वारा आधार ओटीपी के विकल्प पर भी विचार करना चाहिए।

डीएम ने त्यौहारों पर शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के लिए शहर के दुकानदारों व सम्भ्रान्त नागरिकों के साथ की बैठक

त्यौहारों पर बाजारों की व्यवस्थाएं सुदृढ़ करने के लिए जिला प्रशासन की नई पहल, खील बतासे व दीपों का बाजार तुवन मंदिर मैदान में व पटाखों का बाजार चौकाबाग मैदान में लगेगा

अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोट पुष्पांजलि टुडे ललितपुर

त्यौहारों को प्रेम, सौहार्द व शान्ति के साथ मनायें - डीएम

ललितुपर। आगामी त्यौहार धनतेरस, नरक चतुर्दशी, लक्ष्मी पूजन (दीपावली), गोवर्धन पूजा एवं भाई दूज आदि पर्वों के अवसर पर जनपद में कानून एवं शान्ति व्यवस्था बनाये रखने एवं त्यौहारों के लिए आमजनमानस को सुगम वातावरण मुहैया कराने हेतु जिलाधिकारी श्री अक्षय त्रिपाठी ने सम्बंधित अधिकारियों, धर्मगुरुओं, संभ्रान्त नागरिकों व सामाजिक संगठनों के साथ कलैक्ट्रेट सभागार में बैठक कर वार्ता की।बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि जिला प्रशासन ने दीपावली के त्यौहार के दौरान बाजार को साफ-सुथरा बनाये रखने व ट्रैफिक व्यवस्था बेहतर करने तथा आम जनता को सुगमता के साथ खरीददारी करने के लिए दीपक, बतासे, खील, मिट्टी के बर्तन आदि की दुकानें तुवन मंदिर मैदान में लगाने की व्यवस्था की है, जहां पर ग्रामीण परिवेश से आने वाले छोटे-छोटे दुकानदार जो दीपक, बतासे, खील,

मिट्टी के बर्तन की बिक्री करते हैं, उनको पर्याप्त स्थान की उपलब्धता रहेगी। इस हेतु तुवन मंदिर मैदान पर पार्किंग की व्यवस्था की गई है, इसके साथ पानी का टैंकर, अस्थायी शौचालय आदि की व्यवस्था भी की गई है। इसी प्रकार से दीपावली पर कोई भी अप्रिय घटना घटित होने को ध्यान में रखते हुए पटाखा बाजार शहर की घनी आबादी से बाहर चौकाबाग स्थित मैदान में स्थापित किये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसके लिए सभी प्रकार की आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। इस अवसर पर उन्होंने शहर के सभी दुकानदारों, व्यापारियों से भी आग्रह किया है कि वह अपनी दुकानों के सामने फुटपाथ पर दीपक खील बतासे आदि की दुकानें न लगने दें, ताकि बाजार साफ रहे और ट्रैफिक व्यवस्था प्रभावित न हो सके। उन्होंने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को निर्देश दिये कि वह त्यौहारों पर बाजारों, सड़कों, फुटपाथों की बेहतर साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करें। इसी प्रकार से उन्होंने ग्रामीण कस्बों के बाजारों में भी सम्बंधित अधिशासी अधिकारियों, उप जिलाधिकारियों को निर्देशित किया है कि वह शान्ति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए निरंतर भ्रमण करते रहें। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि त्यौहारों के दौरान सोशल मीडिया पर कोई भी भ्रामक, असत्य व धार्मिक भावना को आहत करने वाली पोस्ट व टिप्पणी न करें, इसकी निगरानी के लिए सोशल मीडिया सेल सक्रिय रहकर 24 घण्टे सभी सोशल साइटों की निगरानी कर रही है, यदि कोई भी आपत्तिजनक पोस्ट डालता है तो सोशल मीडिया सेल द्वारा तत्काल उसे ट्रेस कर सम्बंधित के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी अंकुर श्रीवास्तव ने जिला प्रशासन द्वारा की जा रही सभी व्यवस्थाओं से दुकानदारों, व्यापारियों आदि को अवगत कराते हुए उनसे सुझाव भी लिये और उन सुझावों से और बेहतर करने का भरोसा दिया। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 इम्तियाज अहमद, उप जिलाधिकारी सदर चन्द्रभूषण प्रतात, अपर उप जिलाधिकारी मो0 नासिर, जिला आबकारी अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी डीएस दयाल सहित वद्युत, पेयजल, यातायात, अग्निशमन, परिवहन आदि विभागों के अधिकारीगण व सभ्रान्त नागरिक उपस्थित रहे।

एसपी ने साप्ताहिक परेड का किया निरीक्षण, ली सलामी

धनुष सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट पुष्पांजलि टुडे ललितपुर

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक ने शुक्रवार को साप्ताहिक परेड की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया। इसके अलावा पुलिस लाइन स्थित क्वार्टर गार्द, आरमरी आदि का निरीक्षण कर शस्त्रों की साफ-सफाई हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। साथ ही यू.पी. 112 के वाहनों की जांच करते हुये यू.पी.112 कर्मियों को निर्देशित किया गया कि इवेन्ट की सूचना पर शीघ्र अतिशीघ्र पहुंचकर पीड़ित को हरसंभव मदद करें। मौके पर परेड में शामिल पुलिस कर्मियों से उनकी समस्याओं को सुनकर सम्बन्धित को निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया गया। एसपी ने डायल 112, परिवहन शाखा, स्टोर, पुलिस मेस, पुलिस स्नानागार, बारबर शॉप, बैरकों, पुलिस कैटींन एवं पुलिस लाइन की विभिन्न मदों को चेक कर साफ- सफाई हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा- निर्देश दिये गये। आदेश कक्ष में अर्दली रुम के दौरान विभिन्न मदों के रजिस्टरों का अवलोकन किया गया तथा संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। इस दौरान क्षेत्राधिकारी सदर अभय नारायण राय व प्रतिसार निरीक्षक व अन्य पुलिस अधिकारी व कर्मचारी आदि मौजूद रहे।

उदयपुरा रेलवे स्टेशन पर हुये अंधे हत्याकाण्ड का खुलासा

अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट पुष्पांजलि टुडे लजीआरपी

एसपी ने किया खुलासा, दामाद ही निकला हत्यारा

ललितपुर। उदयपुरा रेलवे स्टेशन की बैंच पर युवक के सिर पर प्रहार से हत्या कर फेंके गये रक्तरंजित शव के प्रकरण का आज जीआरपी एसपी विपुल कुमार श्रीवास्तव ने खुलासा कर दिया है। एसपी जीआरपी ने बताया कि विगत 15 अक्टूबर को उदयपुरा रेलवे स्टेशन पर एक युवक का शव बैंच पर रक्तरंजित अवस्था में पड़ा मिला था। इस अंधे हत्याकाण्ड को सुलझाने के लिए सर्विलांस टीम व जीआरपी पुलिस को लगाया गया था। जीआरपी पुलिस ने अंधे हत्याकाण्ड में मृतक की शिनाख्त करते हुये शुक्रवार को हत्यारोपी को हिरासत में ले लिया है।एडीजी रेलवे प्रकाश डी, डीआईजी

रेलवे प्रयागराज राहुल राज व एसपी रेलवे विपुल कुमार श्रीवास्तव के आदेश और सीओ जीआरपी नईम खान मंसूरी के निकट पर्यवेक्षण में जीआरपी थाना प्रभारी नवीन कुमार के नेतृत्व में मृतक की शिनाख्त के प्रयास तेज किये गये। 18 अक्टूबर को मृतक की शिनाख्त पत्नी व परिजनों ने म.प्र.के जिला टीकमगढ़ अंतर्गत थाना पलेरा के ग्राम रामनगर बुजुर्ग निवासी 45 वर्षीय अर्जुन रैकवार पुत्र स्व.मुलुवा के रूप में की गयी। जांच के दौरान जीआरपी पुलिस ने प्रकाश में आये मृतक के दामाद मनिकपुरा टीकमगढ़ निवासी अजय रैकवार पुत्र प्रेमलाल को रेलवे स्टेशन के आउटर से हिरासत में लिया है। पुलिस ने हत्यारोपी के खिलाफ दर्ज धारा 103 (1) बीएनएस में धारा 238 बीएनएस की बढ़ोत्तरी की है। हत्यारोपी की निशानदेही पर हत्या के बाद भागते हुये फेंके गये मृतक के पर्स, आधार कार्ड, श्रम कार्ड, आयुष्मान कार्ड, पेन कार्ड बरामद किया गया।

ओवरटेक करते समय ट्रैक्टर की चपेट में आई बाइक, एक की मौत एक घायल

घटना से गुस्साए परिजनों ने लगाया अटल चौक पर जाम

दैनिक पुष्पाजलि टुडे

गोहद। मोटरसाइकिल चालक के द्वारा ट्रैक्टर से ओवरटेक करते समय ट्रैक्टर की चपेट में आने से घटनास्थल पर मौत हो गई एवं एक अन्य घायल हो गया। जानकारी के अनुसार गोहद थाना क्षेत्र अंतर्गत देवसिंह पुरा मोजे से मजदूरी करके लौट रहे रमेश प्रजापति पुत्र बालमुकुंद उम्र 40 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 1 छत्तरपुरा की बनीपुरा पुलिया के पास गोहद बनीपुरा रोड पर बाइक ओवरटेक करते समय ट्रैक्टर की चपेट में आने से मृत्यु हो गई एवं एक अन्य युवक करु बाथम पुत्र कन्हैयी बाथम उम्र 18 वर्ष बाइक पर पीछे बैठा था वह घायल हो गया। घटना गुरुवार लगभग शाम के 6=30 के आसपास की है। बाइक पर बैठे दोनों लोग मजदूरी करके लौट रहे थे। पुलिया के नजदीक रमेश प्रजापति ने जैसे ही बाइक ओवरटेक की तभी ट्रैक्टर चालक ने अचानक ट्रैक्टर को मोड़ दिया जिससे रमेश प्रजापति ट्रॉली के टायर के नीचे

आ गया और पीछे बैठा करू बाथम भी ट्राली की चपेट में आ गया जिससे रमेश की घटना स्थल पर ही मृत्यु हो गई और करु बाथम घायल हो गया पुलिस ने ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना में लिया। शुक्रवार की सुबह पुलिस ने गोहद अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया और शव परिजनों को सौंप दिया।उसी दौरान मृतक ससुरारी जन एवं अन्य रिश्तेदार भी आ गए।और दोपहर लगभग एक बजे अटल चौक गोलंबर तिराहा पर जाम लगा दिया। सूचना लगते ही एसडीओपी सौरभ कुमार, तहसील दार विश्राम शाक्य,गोहद थाना प्रभारी मनीष धाकड़,चोराहा थानाड़ प्रभारी बृजेन्द्र सेंगर भी मौके पर पहुंचे और परिजनों को समझाइश दी। परिजनों द्वारा मृतक की पत्नी को सरकारी नौकरी एवं भरण पोषण की व्यवस्था करने तथा ट्रेक्टर जब्त कर नाम बार मामला दर्ज करने की मांग कर रहे थे। लेकिन स्थानीय नागरिकों और प्रशासनिक अधिकारियों की समझाइश पर परिजनों ने जाम खोल दिया।

महाविकास अघाड़ी में 85-85-85 का फॉर्मूला तय, सहयोगियों के लिए 18 सीटें

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी में हर सहयोगी दलों के लिए 85-85 सीटों का नया फार्मूला तय किया गया है। इसके साथ सूबे की 15 सीटों के लिए महाविकास आघाड़ी के तीनों प्रमुख सहयोगी दलों के बीच चर्चा जारी है। महाविकास आघाड़ी में 18 सीटें अपने मित्र दलों के लिए छोड़ने का फैसला लिया है। शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राऊत ने बुधवार शाम को बताया कि महाविकास आघाड़ी में सीटों के बंटवारे को लेकर मुंबई के वाईबी चव्हाण प्रतिष्ठन में बैठक हो रही है। इस बैठक में महाविकास आघाड़ी के मुख्य सहयोगी दलों ने 270 सीटों पर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। बाकी की 18 सीटें मित्र दलों के लिए छोड़ी जाएंगी। महाराष्ट्र की कुल 288 सीटों में से महाविकास आघाड़ी के मुख्य सहयोगी दलों के बीच 85-85-85 सीटों पर अंतिम सहमति हो गई है। 15 सीटों पर महाविकास आघाड़ी के तीनों दल आपस में चर्चा कर रहे हैं। महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि फिलहाल महाविकास अघाड़ी मुख्य सहयोगी दलों ने 85-85-85 सीटों के फार्मूले को अंतिम रूप दिया है। बाकी बची सीटों में 18 सीटें मित्र दलों को दी जाएगी और उर्वरित 15 सीटों को लेकर तीनों दलों में चर्चा जारी है। नाना पटोले ने कहा कि महाविकास आघाड़ी के तीनों सहयोगी दलों के बीच चर्चा जारी है।

सर्वधारण को सूचित किया जाता है कि जिन परिवारों के राशन कार्ड बने हुए है उनका राशन कार्ड ही फैमली आई0डी0 है

अनुज शिव ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट पुष्पांजलि टुडे ललितपुर

जिन परिवारों के राशन कार्ड नहीं है उन्हें फैमली आई0डी0 बनवाने से भविष्य में सरकारी योजनाओं से मिलने वाला लाभ आसानी से प्राप्त हो जायेगा। फैमली आई0डी0 कार्ड बनवाने हेतु परिवार के समस्त सदस्यों के आधार कार्ड, मोबाईल से लिंक होना अति आवश्यक है। जनसेवा केन्द्र से आवेदन करने पर यूजर चार्ज रू0 30.00 तथा यदि कोई आवेदक फैमली आई0डी0 निर्मित करने के लिये स्वयं आवेदन करता है तब यूजर चार्ज देय नहीं होगा। आवेदन के उपरान्त आवेदन जारीकर्ता द्वारा स्वीकृत होने की दशा में लैमिनेटेड फैमली आई0डी0 कार्ड निःशुल्क स्थायी पता पर उपलब्ध कराया जायेगा। सूच्य है कि फैमली आई0डी0 निर्मित होने के उपरान्त भी पात्र पाये जाने पर राशन कार्ड बन सकता है।

फैमिली आई0डी0 निर्मित करने हेतु ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया-

1.प्रत्येक फैमिली आई0डी0 पंजीकरण हेतु परिवार के सभी सदस्यों का आधार वॉछित है।

2.परिवार के सभी सदस्यों का आधार किसी मोबाईल नम्बर से लिंक होना चाहिए, जिससे कि परिवार के सभी सदस्यों का मोबाईल ओ0टी0पी0 द्वारा सत्यापन हो सके। यदि आधार से लिंक नम्बर बदल गया है तो आवेदक को अपना नवीन/सही मोबाईल नम्बर आधार से लिंक करते हुए अपडेट करना चाहिए।

3.प्रत्येक फैमिली आई0डी0 पंजीकरण के समय परिवार के सभी सदस्यों का आधार संख्या के सापेक्ष ओ0टी0पी0 आधारित म.ज्ञल्ब् होगा।

4.यदि परिवार का कोई सदस्य पूर्व में किसी अन्य परिवार से जुडा हुआ है, तो उसका पंजीकरण नहीं किया जा सकेगा।

5.आवेदक अपना पंजीकरण फैमिली आई0डी0 पोर्टल ;ीजजचरूध्ध्ंिउपसलपकण्नचण्हवअण्पद्ध पर दिये गये श्त्महपेजमतश् लिंक के माध्यम से करेगा।

6.आवेदक अपना नाम एवं मोबाईल नम्बर के माध्यम से मोबाईल ओ0टी0पी0 तथा कैप्चा का उपयोग कर पोर्टल पर पंजीकरण पूर्ण करेगा।

7.यदि परिवार के पास पूर्व में राशन कार्ड उपलब्ध है तो फैमिली आई0डी0 पोर्टल पर आधार नम्बर के साथ लॉगिन करने पर यह मैसेज प्रदर्शित होगा कि आपके परिवार की फैमिली आई0डी0 उपलब्ध है। आवेदक दिये गये टैब पर क्लिक कर अपना फैमिली आई0डी0 प्रिन्ट/डाउनलोड कर सकते है।

8.यदि परिवार के पास राशनकार्ड उपलब्ध नहीं है तो फैमिली आई0डी0 पोर्टल पर आवेदक द्वारा मोबाईल नम्बर एवं आधार संख्या दर्ज करने पर मैसेज प्रदर्शित होगा कि आपके परिवार की फैमिली आई0डी0 उपलब्ध नहीं है। आवेदक द्वारा तदोपरान्त अपने परिवार का रजिस्ट्रेशन किया जायेगा।

9.;पद्ध पंजीकरण की प्रक्रिया में आवेदक द्वारा अपने परिवार के समस्त सदस्यों का नाम तथा आधार संख्या डालने पर उनके आधार लिंक्ड मोबाईल पर ओ0टी0पी0 प्राप्त होगा।;पपद्ध ओ0टी0पी0 डालने के पश्चात् सदस्य का नाम, जन्म तिथि/वर्ष, लिंग व पिता/संरक्षक का नाम स्वतः प्रदर्शित होगा। परिवार के सदस्यों की वैवाहिक स्थिति', पति/पत्नी का नाम', मोबाईल नम्बर', आवेदक से सम्बन्ध' तथा व्यवसाय के फील्ड भरने के पश्चात् सुरक्षित करनी होगी। ;पअद्ध परिवार के समस्त सदस्यों को जोड़ने के उपरान्त आगे बड़ने हेतु दिये गये टैब को क्लिक कर पता भरने वाला पेज प्रदर्शित होगा। आवेदक द्वारा पता भरने हेतु शहरी अथवा ग्रामीण टैब का चयन किया जायेगा।

1- शहरी टैब चयन किये जाने की दशा में ड्रॉप डाउन मेनू से जनपद का चयन करना होगा व तत्पश्चात् तहसील का चयन ड्रॉप डाउन मेनू से किया जायेगा। आवेदक का निर्धारित कॉलम में अपना पूरा पता यथा-मकान संख्या, गली/मोहल्ला, लैंडमार्क तथा पिनकोड भरा जायेगा।

2- ग्रामीण टैब चयन किये जाने की दशा में ड्रॉप डाउन मेनू से जनपद व उनके सापेक्ष ड्रॉप डाउन मेनू से ही तहसील, विकासखण्ड व ग्राम पंचायत का चयन किया जायेगा तथा निर्धारित कॉलम में मजरा/गॉव/टोला, गली/पोस्ट/मकान नं0 लैंडमार्क तथा पिनकोड भरा जायेगा। सही पता भरने के पश्चात् सुरक्षित कर आगे बड़ने के विकल्प पर क्लिक किया जायेगा।

10. आवेदक तथा उसके परिवार के सदस्यों का पूर्ण विवरण तथा पता स्क्रीन पर प्रदर्शित हो जायेगा। आवेदक समस्त विवरण से संतुष्ट होने की दशा में फाइनल सबमिशन का बटन क्लिक करेगा, अन्यथा की दशा में बैक जाकर अपने विवरण में वांछित बदलाव कर सकेगा।

11. फाइनल सबमिशन करने के उपरान्त स्क्रीन पर फैमिली आई0डी0 हेतु आवेदन संख्या (15 डिजिट में) तथा प्रोविजनल फैमिली आई0डी0 (12 डिजिट में) प्रदर्शित होगी तथा उसको प्रिन्ट करने का विकल्प भी उपलब्ध होगा। क्यू0आर0 कोड युक्त प्रोविजनल फैमिली आई0डी0 के प्रिन्ट आउट में परिवार के सदस्यों के फोटो, नाम, लिंग, जन्मतिथि, पिता/संरक्षक का नाम, आवेदनकर्ता के साथ सम्बन्ध व मास्कड आधार तथा पता प्रदर्शित होगा।

12. पोर्टल द्वारा आवेदन संख्या एवं अनन्तिम फैमिली आई0डी0 जनरेट होने के उपरान्त इसकी सूचना एस0एम0एस0 के माध्यम से आवेदक के पंजीकृत मोबाईल नम्बर पर प्राप्त हो जायेगी।

13. आवेदन यथास्थिति शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से सम्बन्धित जारीकर्ता अधिकारी के इनबॉक्स में प्रदर्शित होगा। जारीकर्ता अधिकारी के द्वारा सम्बन्धित जॉच अधिकारी को स्थलीय जॉच हेतु आवेदन ऑनलाईन प्रेषित किया जायेगा। जॉच अधिकारी द्वारा आवेदन पत्र का भौतिक स्थलीय सत्यापन कर आख्या जारीकर्ता अधिकारी को ऑनलाईन प्रेषित की जायेगी।

14. पोर्टल द्वारा अंतिम रूप से फैमिली आई0डी0 निर्मित होने एवं निरस्त होने की सूचना एस0एम0एस0 के माध्यम से पंजीकृत मोबाईल नम्बर पर स्वतः प्राप्त हो जायेगी।

15. फैमिली आई0डी0 हेतु आवेदन जारीकर्ता अधिकारी द्वारा स्वीकृत होने के उपरान्त आवेदक को लेमिनेटेड फैमिली आई0डी0 कार्ड का निःशुल्क वितरण सम्बन्धित क्षेत्र के लेखपाल/ग्राम पंचायत अधिकारी/ग्राम विकास अधिकारी द्वारा किया जायेगा।

निया शर्मा

ने किया ऐसा ऐड, सोशल मीडिया पर मच गया हंगामा! क्या कहते हैं एक्सपर्ट?

निया शर्मा एक कमाल की एक्ट्रेस हैं. 'खतरों के खिलाड़ी' और 'झलक दिखला जा' जैसे रियलिटी शो में शामिल होकर उन्होंने ये भी साबित कर दिया कि वो बहुत ही टैलेंटेड सेलिब्रिटी हैं. लेकिन कई बार निया को उनके कपड़े और फैशन को लेकर ट्रोल किया जाता है. हालांकि निया के कुछ ऐसे फैन्स हैं जो शुरुआत से उनके साथ जुड़े हुए हैं और हर दिन होने वाली ट्रोलिंग के बावजूद वो हमेशा निया के सपोर्ट में खड़े रहते हैं. पर निया ने इस बार कुछ ऐसा कर दिया है कि उनके सच्चे फैन्स ने भी उनका साथ छोड़ दिया. दरअसल निया शर्मा ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर वैजाइनल टाइटनिंग टैबलेट का ऐड शेयर किया है.निया के शेयर किए गए इस वीडियो में निया को 'ढीली' चीजों से स्ट्रगल करते हुए दिखाया गया है. कभी वो ओवर साइज पैंट से जूझ रही हैं तो कभी बोतल का ढक्कन सही से फिट न होने की वजह से और सही साइज के जूते न पहनने की वजह से स्ट्रगल कर रही हैं. लेकिन फिर वो इन बातों का सलूशन ढूंढ निकालती हैं और हम उन्हें एक परफेक्ट फिट ड्रेस में देखते हैं. आखिर में निया वैजाइनल टाइटनिंग टैबलेट के पैकेट को देखकर कहती हैं कि 'इसे सही से रखो, इसे टाइट रखो.'

भड़क गए फैन्स

इस ऐड के कैप्शन में निया ने लिखा है कि इसके साथ आप परफेक्ट टाइट एक्सपीरियंस कर सकते हैं, क्योंकि जिंदगी परफेक्ट फिट होने के बारे में है, फिर वो उनका ड्रेस हो या प्राइवेट एरिया, आपके लिए हमने ये जरूरत भी कवर कर ली है. आप इससे परफेक्ट पल एक्सपीरियंस कर सकते हैं. निया के इस ऐड के नीचे कमेंट सेक्शन में फैन्स का गुस्सा साफ नजर आ रहा है. एक सोशल मीडिया यूजर ने इस वीडियो के नीचे कमेंट करते हुए लिखा है कि आपको जरूर इस ऐड के लिए किसी ने इतने पैसे ऑफर किए होंगे कि आप मना नहीं कर पाईं, ये शर्मनाक है.

गलत चीजों को कर रही हैं प्रमोट....

निया शर्मा की एक फैन लिखती हैं, मैं आपकी बहुत पुरानी फैन थी. मैं आपको 'एक हजारों में मेरी बहना है' सीरियल से फॉलो कर रही हूं. मैंने अब तक आपसे जुड़ी हर कंट्रोवर्सी को नजरअंदाज किया. जिस तरह से आप लाफ्टर शेफ में काम कर रहे थे वो देखकर मैं बहुत खुश थी. लेकिन ये वीडियो देखकर मैं बहुत ज्यादा निराश हूं. क्या आपको पैसों की इतनी जरूरत है कि आप इस तरह की गलत चीजें प्रमोट कर रहे हो. अब मैं बहुत खुश हूं आप बिग बॉस में नहीं आईं. हमें आप जैसे सेलिब्रिटी को वहां नहीं देखना है. निया के इस वीडियो के नीचे सिर्फ उनके फैन्स और ट्रोलर्स ने ही नहीं बल्कि कई डॉक्टर्स ने भी कमेंट करते हुए इस वीडियो को गलत बताया है.

जानें क्यों गलत है निया का ये ऐड करना

वैसे तो सेलिब्रिटी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर किसी भी प्रोडक्ट का ऐड कर सकते हैं, फिर निया शर्मा के वैजाइनल टाइटनिंग टैबलेट के ऐड को लेकर इतना हंगामा क्यों हो रहा है ? ये जानने के लिए हमने जब स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर निकिता पटेल से बात की, तब उन्होंने टीवी9 हिंदी डिजिटल के साथ की बातचीत में कहा कि कई बार अगर कोई शारीरिक मुश्किलें हों, तो डॉक्टर इस तरह की दवाइयां सजेस्ट कर सकते हैं, लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि इसे इस तरह से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रमोट किया जाए. जिस तरह से फेयरनेस क्रीम की ऐड करना गलत है वैसे ही इस तरह का प्रोडक्ट निया शर्मा जैसी सेलिब्रिटी का प्रमोट करना सही नहीं है.

श्वेता तिवारी को तलाक देते ही इस एक्ट्रेस के करीब आ गए थे राजा चौधरी! सरेआम की थी ऐसी हरकत

श्वेता तिवारी अब छोटे पर्दे पर नहीं, बल्कि बड़े पर्दे पर धमाका करती हुई नजर आएंगी. दिवाली पर श्वेता तिवारी अपना धमाकेदार और ग्रेंड कमबैक करने जा रही हैं. उन्हें ये मौका रोहित शेट्टी ने अपनी फिल्म 'सिंघम अगेन' के जरिए दिया है. अजय देवगन, करीना कपूर, दीपिका पादुकोण, अक्षय कुमार, रणवीर सिंह और अर्जुन कपूर जैसे सितारों के साथ श्वेता तिवारी स्क्रीन शेयर करती हुई नजर आएंगी. हालांकि श्वेता अपने काम से ज्यादा अपनी निजी जिंदगी को लेकर काफी सुर्खियों में रह चुकी हैं. उनके पहले पति राजा चौधरी के साथ उनका काफी विवाद भी रह चुका है.श्वेता तिवारी और राज चौधरी की शादी ज्यादा लंबी नहीं चल पाई थी. इस शादी से दोनों की एक बेटी है. लेकिन श्वेता को तलाक देने के बाद राजा का नाम दूसरी एक्ट्रेस के साथ जुड़ने लगा था. दरअसल बिग बॉस सीजन 2 में राजा चौधरी ने शिरकत की थी. साल 2007 में जहां राजा चौधरी और श्वेता तिवारी की तलाक हुआ था, वहीं साल 2008 में बिग बॉस 2 ऑन एयर हुआ था. इस सीजन में भोजपुरी एक्ट्रेस संभावना सेठ भी मौजूद थीं. इस शो में राजा और संभावना के बीच काफी नजदीकियां भी देखने को मिली थीं.

राजा चौधरी और संभावना सेठ की नजदीकियां

बिग बॉस 2 को शिल्पा शेट्टी ने होस्ट किया था. वहीं राजा चौधरी शो के रनर-अप थे. इस शो में राजा और संभावना पहले दोस्त बने फिर दोनों के बीच रोमांस देखने को मिला और लास्ट में दोनों के बीच तकरार भी साफ-साफ नजर आई. शो में दोनों ने एक साथ डांस परफॉर्मेंस भी दी थी. परफॉर्मेंस के दौरान दोनों इस कदर रोमांटिक हो गए थे कि दोनों को एक-दूसरे को किस करते हुए भी देखा गया था. बिग बॉस के घर अंदर राजा की नदीकियां और भी कंटेस्टेंट्स के साथ देखी गई थीं.

श्वेता तिवारी और राज चौधरी का तलाक

संभावना सेठ भोजपुरी सिनेमा का बड़ा नाम रह चुकी हैं. उन्हें भोजपुरी की आइटम गर्ल भी कहा जाता है. वहीं, राजा चौधरी की भी भोजपुरी सिनेमा में अच्छी-खासी पकड़ थी. राजा ने साल 1998 में श्वेता तिवारी से शादी की थी. वहीं साल 2007 में दोनों का तलाक भी हो गया था.

विवियन डीसेना और अविनाश मिश्रा के साथ नॉमिनेट हुई अनुपमा की 'बेटी', अब तो बाहर जाना पक्का!

बिग बॉस 18 के लेटेस्ट एपिसोड की शुरुआत इस बार कंटेस्टेंट के झगड़े से नहीं बल्कि शिल्पा शिरोडकर के आंसुओं के साथ हुई. आमतौर पर बिग बॉस के घर में बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शिरोडकर अविनाश मिश्रा की वजह से गुस्सा होती हैं या फिर अविनाश मिश्रा की वजह से रोने लग जाती हैं. लेकिन इस बार शिल्पा शिरोडकर के आंसुओं की वजह अविनाश नहीं बल्कि विवियन डीसेना थे. जिस तरह से विवियन ने अविनाश मिश्रा, ईशा सिंह और ऐलिस कौशिक के साथ हाथ मिलाया, वो शिल्पा को बिलकुल भी रास नहीं आया और इसी वजह से वो इमोशनल हो गईं.

बिग बॉस को मिली नई लाड़ली

नॉमिनेशन टास्क के दौरान बिग बॉस ने घोषित कर दिया कि श्रुतिका उनकी नई लाड़ली हैं. घर की लाड़ली बनाने के साथ-साथ बिग बॉस ने उन्हें नॉमिनेशन टास्क के लिए कुछ खास अधिकार भी दिए. इस अधिकार के तहत श्रुतिका को ये तय करना था कि कौन सा कंटेस्टेंट कितने लोगों को नॉमिनेट करेगा. बिग बॉस ने दी हुई इस पावर का इस्तेमाल करते हुए श्रुतिका ने करणवीर मेहरा, सारा आरफीन खान और शिल्पा शिरोडकर को सबसे ज्यादा यानी तीन कंटेस्टेंट को नॉमिनेट करने का अधिकार दिया.

जानें कौन से कंटेस्टेंट हुए नॉमिनेट

जिस तरह से श्रुतिका ने करणवीर, सारा और शिल्पा शिरोडकर को तीन कंटेस्टेंट को नॉमिनेट करने का अधिकार दिया ठीक उसी तरह से उन्होंने अविनाश मिश्रा और ऐलिस कौशिक से किसी भी कंटेस्टेंट को नॉमिनेट करने का अधिकार छीन लिया. इस बात को लेकर श्रुतिका और अविनाश में जमकर बहस भी हुई. आखिरकार इस टास्क के बाद बिग बॉस ने ऐलान किया कि इस बार अविनाश मिश्रा, विवियन डीसेना, रजत दलाल, अनुपमा की 'बेटी' मुस्कान बामने और नायरा बनर्जी घर से बाहर होने के लिए नॉमिनेट हुए हैं. मुस्कान के साथ इस हफ्ते हुए कंटेस्टेंट को देखते हुए उनका शो से बाहर होना लगभग कंफर्म माना जा रहा है.

'I Want To Talk' Teaser Review: कैसा है अभिषेक बच्चन की नई फिल्म का टीजर, क्या कहती है कहानी?

एक गांव का चौपालज चौपाल पर बैठी आदमियों की पंचायतज पंचायत में इधर-उधर की बातेंज एक शख्स है जो कहानी सुना रहा है. दिन कहीं दूर अब ढ़लने लगा है और शाम का हल्का रंग चढ़ रहा हैज लेकिन वो शख्स अभी भी कहानी सुना रहा हैज सुनाए जा रहा हैज बोले जा रहा है, बस बोले जा रहा है. आसपास के लोग कहते हैंज कितना बोलता है. बस बोलता ही रहता हैज ऐसे कितने शख्स हमें अक्सर दिख जाते हैं ना, जिनको देखकर लगता हैज भगवान ये कितना बोलते हैं? क्या ये बोलने के लिए जीते हैंज? लेकिन दुनिया में कुछ लोग ऐसे हैं जो वाकई बोलने के लिए जीते हैं. 'सरदार उधम', 'पीकू' और 'अक्टूबर' जैसी शानदार फिल्में देने वाले शुजीत सरकार एक ऐसे ही इंसान की कहानी सुनाने जा रहे हैं जो बोलने के लिए जीता है.अभिषेक बच्चन एक कमाल के एक्टर हैं और हम यहां केवल उनकी कमर्शियल सिनेमा की बात नहीं कर रहे हैं. वो अभिषेक जो आपको हाउसफुल या धूम जैसी फिल्मों में दिखते हैं, वो अभिषेक गुरु और रावन में नहीं दिखते. यही सिनेमा और एक्टर की खूबसूरती है. शुजीत भी एक ऐसे ही फिल्ममेकर हैं जिनके कैमरे के सामने जब कोई एक्टर आता है तो केवल किरदार दिखता है ना की उसे निभाने वाला एक्टर. अगर ये जोड़ी स्क्रीन पर आए तो एक अलग ही जादू बिखेर सकती है. कुछ इसी उम्मीद के साथ शुजीत और अभिषेक ने अपने नए प्रोजेक्ट का ऐलान कर दिया है. नाम है 'I Want To Talk'.

कितनी बातें कह जाता है टाइटल

फिल्म का नाम जरा अंग्रेजी है लेकिन इसका हिंदी में मतलब हुआ 'मुझे बोलना है'. इस एक नाम के ना जाने कितने मतलब हैं. उदाहरण के लिए एक शख्स गुस्से में ये कह रहा है, वहीं कोई दयनीय स्थिति में जज के सामने खड़ा है जिसे अभी सजा होने वाली है. शूजीत को जानने वाले और उनके काम को समझने वाले लोग ये जानते हैं कि शूजीत कि फिल्मों के नाम बहुत अलग किस्म के होते हैं. 'पिंक' ही ले लीजिए. एक ऐसा कलर जिसको केवल लड़कियों का कलर कहा जाता है. ये टाइटल अपने आप में दबी आवाज में कितनी बातें कह जाता है कि दुनिया कहती है कि मर्द और औरत में कोई भेद नहीं और यहां तो एक रंग भी नहीं छोड़ा गया. फिल्म का नाम है पिंक और फिल्म है कन्सेंट के बारे में. एक शब्द के बारे में जो भरे कोर्टरुम में अमिताभ की आवाज में गूंजता हैज 'नो मींस नो'. नाम में ही शूजीत ने उस फर्क को कितनी बखूबी पिरो दिया है.

सामने आया छोटा सा टीजर

अभिषेक और शूजीत कि आने वाली फिल्म 'I Want To Talk' भी कुछ ऐसी ही दबी-छिपी सी लगती है. फिल्म का एक छोटा सा टीजर सामने आया है जिसमें हम एक कार के डेशबोर्ड पर रखे अभिषेक के बॉबेलहेड को देखते हैं. पीछे अभिषेक की आवाज आती है. कमाल की बात ये है कि इस बॉबेलहेड का पेट काफी मोटा सा है. पीछे से अभिषेक की आवाज आती है जो कहती हैज 'I dont just love to talk... I Live to talk...जिंदा होने और मरने में मुझे बस एक यही बेसिक डिफ्रेंस दिखता है. जिंदा लोग बोल पाते हैंज मरे हुएज बोल नहीं पाते.'

फिल्म में कौन-कौन है?

ये कहानी एक ऐसे इंसान की है जो हमेशा जिंदगी के बेहतर साइड को देखता है. उसे इस बात से फर्क नहीं पड़ता कि जिंदगी उसके सामने क्या लाती है, उसका जीवन को जीने का अपना ही एक अलग अंदाज है. ये कुछ ऐसा है जैसे फिल्म 'नजर अंदाज' में रात के वक्त पथरीले रण पर बिखरी सफेद चांदनी में बेखौफ भागता एक अंधे कुमुद मिश्रा का किरदार. फिल्म 'I Want To Talk' 22 नवंबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. फिल्म की कहानी की बात करें तो ये एक पिता अर्जुन सेन और उसकी बेटी की कहानी है. उनके गिरते-बढ़ते रिश्तों की खींचतान और अर्जुन की जिंदगी में आए एक बड़े ट्विस्ट की है. शूजीत के कैमरे से पिता और बेटी के बीच के रिश्ते को देखना हमेशा से ही काफी खास रहा है. फिल्म में अभिषेक के अलावा एक कांटेक्ट क्रिएटर अहिल्या बारू भी नजर आने वाली हैं. इसके अलावा फिल्म में जॉनी लीवर, जयंत कृपलानी जैसे कलाकार भी शामिल हैं.

शिक्षक, आदर्श समाज और राष्ट्र के शिल्पकार हैं : राज्यपाल

- संस्कार आधारित शिक्षा पर केंद्रित है नई शिक्षा नीति- मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल । राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि शिक्षक, आदर्श समाज और राष्ट्र के शिल्पकार हैं। उनकी महत्ता इस बात से ही समझी जा सकती है कि माता-पिता, बच्चों को जन्म और संस्कार देते हैं, जबकि शिक्षक उन्हें ज्ञान, संस्कार और जीवन मूल्यों के साथ आदर्श नागरिक बनाते हैं। शिक्षा प्रगति की पहली सी?ी है। यह समाज में समानता, स्वावलम्बन और स्वाभिमान के गुणों को विकसित करने का सबसे प्रभावी तरीका है। शिक्षकों की यह जिम्मेदारी है कि विद्यार्थियों में देश प्रेम के साथ गरीब, वंचित और जरूरतमंदों की मदद के गुणों को विकसित करें। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि शिक्षक, अपना काम यह मानकर करें कि वे न सिर्फ बच्चों को विद्यादान कर रहे हैं बल्कि विकसित और विश्वगुरू भारत के निर्माण में योगदान भी दे रहे हैं। राज्यपाल श्री पटेल प्रशासन अकादमी में राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान तथा गणवेश राशि वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समारोह की अध्यक्षता की।

राज्यपाल श्री पटेल तथा मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने माँ सरस्वती के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण किया। सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम आरंभ हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम स्थल पर आम का पौधा रोपा। राज्यपाल श्री पटेल तथा मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य स्तरीय शिक्षक पुरस्कार-2024 के लिए चयनित 14 शिक्षकों, वर्ष-2023 में राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार प्राप्त दो शिक्षकों और राज्य स्तरीय शैक्षिक संगोष्ठी में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त शिक्षक-शिक्षिकाओं को शॉल-श्रीफल, प्रशस्ति-पत्र और सम्मान राशि का चेक प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर नवाचार श्रेणी के लिए अंतर्राष्ट्रीय संस्था टी-4 एजुकेशन द्वारा विश्व में प्रथम स्थान प्राप्त रतलाम के सीएम राइज विनोबा विद्यालय के शिक्षकों का सम्मान भी किया गया। इंस्पायर अवार्ड मानक योजना में तीन विद्यार्थियों और उनके गाइड शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया। राज्यपाल श्री पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के 54 लाख विद्यार्थियों के खातों में गणवेश के लिए 324 करोड रुपए की राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि शिक्षक, बच्चों को पुस्तकीय ज्ञान के साथ स्व-रोजगार और स्वावलम्बन के लिए तैयार करें। उन्हें आज के प्रतियोगी युग में जुझारू और सफल बनने का हुनर सिखाएं। शिक्षक, बच्चों में शेयर एण्ड केयर, नैतिकता, दया, सहयोग आदि नैतिक गुणों को रोपें। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का प्रदेश में प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। प्रदेश सरकार शिक्षा की गुणवत्ता और पहुँच को ब?ाने का अभूतपूर्व कार्य कर रही है। इसी क्रम में सीएम राइज स्कूल, प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना है, जो शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर करने की विशेष पहल है। यह परियोजना बच्चों के बौद्धिक, मानसिक, शारीरिक और सामाजिक विकास की बेहतरी में सफल होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि नई शिक्षा नीति के माध्यम से पाठ्यक्रम में संस्कार आधारित

शिक्षा के समावेश और क्रियान्वयन के अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। भारतीय संस्कृति में ऐतिहासिक रूप से गुरु-शिष्य परंपरा का विशेष महत्व रहा है। इसी का परिणाम है कि भारतीय समाज ने हर काल परिस्थिति में देश के सामने आने वाली चुनौती में प्रभावी तरीके से महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। हर चुनौती पूर्ण स्थिति में देश की शैक्षणिक संस्थाएं अपने दायित्व निर्वहन में सक्रिय और सजग रही हैं। भगवान श्रीराम के काल में शिष्य के रूप में प्रशिक्षित हो रहे श्रीराम और लक्ष्मण ने भी दृढ़ता पूर्वक तत्कालीन चुनौतियों का सामना किया। भगवान श्रीकृष्ण सांदीपनि आश्रम आकर 64 कला, 14 विद्या, 18 पुराण, चारों वेद और शस्त्र और शास्त्र के बीच तालमेल में निपुण हुए। घनघोर युद्ध में उनके मुखारविंद से निकली वाणी, श्रीमद् भगवद् गीता के स्वरूप में विश्व के सामने आई है। यह तत्कालीन शिक्षा व्यवस्था की सामर्थ्य का प्रमाण और भारतीय संस्कृति के गर्व का आधार है। चंद्रगुप्त और चाणक्य के रूप में भी परंपरा की इस निरंतरता के दर्शन होते हैं। इसी क्रम में सम्राट विक्रमादित्य ने भी आक्रांताओं को परास्त कर व्यवस्था स्थापित की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इतिहास की सभी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भारतीय शिक्षा व्यवस्था के सुदृढ़ आधार की निरंतरता स्पष्टतः परिलक्षित होती है। इसी का परिणाम है कि शक्ति और सामर्थ्य का आधार हमारी शैक्षणिक और बौद्धिक संस्थाएं, शत्रु के आक्रमण का सदैव निशाना बनी और आक्रांताओं द्वारा तक्षशिला और नालंदा को ध्वस्त किया गया। इसी क्रम में लॉर्ड मैकाले ने भारतीय शिक्षा व्यवस्था को नष्ट करने के हर संभव प्रयास किया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के माध्यम से भारतीय शिक्षा व्यवस्था में भारत के गौरवशाली अतीत पर केंद्रित पाठ्यक्रम का समावेश किया है। भारत, संपन्न और शक्तिशाली बनने के साथ ही विश्व गुरु बनने के मार्ग पर निरंतर अग्रसर है। हम सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयः के उद्दात भाव से संपूर्ण विश्व में मानव मूल्यों को स्थापित करने के पथ पर अग्रसर हैं।

ग्वालियर के शिक्षक बृजेश शुक्ला का प्रदेश की राजधानी में हुआ सम्मान

ग्वालियर । बच्चे अपने पाठ्यक्रम की प?ाई तो करें ही, साथ ही जीवन जीने की कला और रोजगार सृजन के कौशल में भी पारंगत हों। इसी ध्येय के साथ ग्वालियर जिले के शासकीय माध्यमिक विद्यालय ब?ौरी में पदस्थ माध्यमिक शिक्षक बृजेश शुक्ला समाज में शिक्षा का उजियारा फैलाने में जुटे हैं। उन्होंने अपने अब तक के 18 वर्ष के सेवाकाल के दौरान कई असहाय विद्यार्थियों का भविष्य तो संवारा ही है। साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में ऐसे नवाचार भी किये हैं, जो सम्पूर्ण समाज के लिए उदाहरण बने हैं। समाज में शिक्षा का उजियारा फैलाने के लिए बृजेश शुक्ला को आज भोपाल में आयोजित हुए राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में राज्यपाल मंगुभाई पटेल एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 11 हजार रूपए की सम्मान राशि, शॉल-श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। शिक्षण गतिविधियों से इतर भी बृजेश शुक्ला ने कई ऐसी जिम्मेदारियों को जनी ही कर्मठता, सजगता और तत्परता से निभाया, जिससे वे शासकीय सेवकों के लिए कर्तव्य परायणता के आदर्श बन गए हैं। कोरोनाकाल में जब सबकुछ बंद था और लोग अपने घरों में कैद रहने के लिये मजबूर थे, ऐसे विपरीत हालातों में भी बृजेश शुक्ला घर पर नहीं रुके। बच्चों की प?ाई बाधित न हो इसके लिए उन्होंने कोरोना के समय कभी ऑनलाइन तो कभी सोशल डिस्टेंस का पालन कर बच्चों के घर जाकर ÷जादू नहीं विज्ञान÷ का पाठ प?ाया। इससे उनके स्कूल का एक बच्चा अंश जादव प्रदेश स्तरीय बाल रंग प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश में अव्वल आया। इसी तरह मेगली महोत्सव और राष्ट्रीय मैरिट छात्रवृत्ति प्रतियोगिता में विद्यालय के अनेक बच्चे चयनित हुए। स्कूल की कक्षाओं का सुव्यवस्थित संचालन व प्रबंधन एवं बच्चों के लिये रुचिकर प?ाई की विधियाँ विकसित करने के साथ-साथ रोजगारोन्मुखी शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण व स्वच्छता इत्यादि रचनात्मक विषय भी मन लगाकर उन्होंने बच्चों को समझाए हैं। शिक्षक बृजेश शुक्ला की इस

प्रेरणादायक शैक्षणिक सेवा की यात्रा ने अन्य शिक्षकों के सामने यह मिसाल रखी है कि शिक्षा का कार्य सिर्फ एक पेशा भर नहीं, यह बच्चों के जीवन को संवारने का माध्यम है।

पुरानी छावनी क्षेत्र से विभिन्न ब्रांड का 2030 किग्रा मिल्क केक जब्त

ग्वालियर। शहर में बाहर से मिलावटयुक्त एवं असुरक्षित खाद्य पदार्थों की आवक रोकने के लिए कड़ी निगरानी की जा रही है। इस कड़ी में खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने पुरानी छावनी क्षेत्र से एक लोडिंग वाहन से लगभग 2030 किलोग्राम संदिग्ध मिल्क केक जब्त किया है। वाहन चालक ने पूछताछ के दौरान टीम को बताया कि विभिन्न मिक्स ब्रांडों का यह मिल्क केक धौलपुर से लाया गया था और ग्वालियर बस स्टैण्ड से बस द्वारा अन्य जिलों के लिये भेजा जाना था। जब्त मिल्क केक की कीमत लगभग 3 लाख 61 हजार रूपए आंकी गई है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी एसके शर्मा ने बताया कि मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर खाद्य सुरक्षा प्रशासन की संयुक्त टीम ने धौलपुर से आए एक लोडिंग वाहन को पुरानी छावनी क्षेत्र में जाँच के लिये रोका। इस वाहन में गोपिका मिक्स केक, लार्ड कृष्णा मिक्स केक, स्पेशल कृष्णा मिक्स केक, श्री राधा कृष्णा स्पेशल मिक्स केक व जयश्री कान्हा स्पेशल बर्फी एवं लूज मिक्स केक पाया गया। वाहन चालक ने बताया कि यह मिल्क केक ग्वालियर बस स्टैण्ड से महाकाल बस के जरिए ग्वालियर से बाहर भेजने के लिये मालिक ने भेजा था। खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम ने मिल्क केक विधिवत जब्त करने के साथ-साथ सभी ब्राण्ड के मिल्क केक के नमूने लिए हैं। नमूने लेने की कार्रवाई खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री लोकेन्द्र सिंह द्वारा की गई। सभी नमूने जांच के लिये राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजे जायेंगे।

अवैध कारोबारों को नहीं है योगी सरकार का भय क्या इन पर होगी कार्रवाई

अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट पुष्पांजलि टुडे ललितपुर

ललितपुर थाना बानपुर क्षेत्र में खूब फल फूल रहे हैं अवैध कारोबार सूत्र अवैध कारोबार करने वालों के खिलाफ किसी की हिम्मत भी नहीं हो रही आवाज उठाने की साठ गांठ कर चल रहे कारोबारदबंग किस्म के लोगों से आखिर कौन टकराये जगह-जगह चल रहे जुआ के पड जगह-जगह बैची जा रही शराब सूत्रों से मिली जानकारी ग्राम बिल्ला में सरकारी जमीन पर किया जा रहा धड़ल्ले से अवैध खनन का कारोबार आखिर अवैध कारोबारियों पर लगाम लग पाती है या ऐसा ही सब चलता रहेगा बानपुर थाना क्षेत्र का हाल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार में नहीं है माफियाओं को डर आखिर किसके संरक्षण में फल फूल रहे अवैध कारोबार

दिव्यांगजन के लिये मुख्यमंत्री निरूशक्तजन शिक्षा प्रोत्साहन योजना को किया गया ऑनलाइन: मंत्री कुशवाह

ग्वालियर । सामाजिक न्याय दिव्यांगजन कल्याण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा कि राज्य सरकार दिव्यांगजन की शिक्षा में बाधाओं को कम करने और उनके सशक्तिकरण को ब?ावा देने के लिये प्रतिबद्ध है। इसी क?ी में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण विभाग द्वारा मुख्यमंत्री निरूशक्त शिक्षा प्रोत्साहन योजना का संचालन किया जा रहा है। विभाग द्वारा दिव्यांगजन को सुविधा की दृष्टि आवेदन प्रक्रिया को स्पर्श पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन कर दिया गया है। दिव्यांगजन 31 अक्टूबर तक पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते है।आयुक्त सामाजिक न्याय डॉ. आर.आर. भौसले ने बताया कि दिव्यांगजन को शिक्षा और तकनीकी की सहायता से सशक्त बनाना है। इसी उद्देश्य से विभाग के द्वारा मुख्यमंत्री निरूशक्त शिक्षा प्रोत्साहन योजना की क्रियान्वयन प्रक्रिया को ऑनलाइन किया गया है। इसके तहत एनआईसी म.प्र. के सहयोग से स्पर्श पोर्टल पर नई प्रणाली विकसित की गई है। छात्र 31 अक्टूबर तक आवेदन कर सकते हैं और 15 नवंबर तक इन आवेदनों की समीक्षा की जाएगी। पात्र छात्रों को 3 दिसंबर विश्व दिव्यांग दिवस पर आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रमों में लैपटॉप या मोटराइज्ड साइकिल वितरित किए जाएंग

मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर भाजपा के स्टार प्रचारक में शामिल

महेंद्र शर्मा उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर। मध्य प्रदेश में दो विधानसभा विजयपुर और बुधनी की रिक्त हुई सीटों के लिए हो रहें उप चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने अपने 40 स्टार प्रचारकों की सूची शुक्रवार को जारी कर दी। इस सूची में संगठन और सरकार के वरिष्ठ भाजपा नेताओं के साथ ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर का नाम स्टार प्रचारक के रुप में घोषित किया गया है।भाजपा केन्द्रीय नेतृत्व द्वारा जारी 40 स्टार प्रचारकों की सूची में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णु दत्त शर्मा, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया, केन्द्रीय मंत्री डॉ. वीरेन्द्र खटीक, उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा और श्री राजेन्द्र शुक्ला, मंत्री श्री प्रहलाद पटेल, श्री कैलाश विजयवर्गीय के अलावा श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर का नाम भी शामिल किया गया है।

आरोग्य भारती के कार्यक्रम में डॉक्टरों ने बताएं डेंगू से बचाव के उपाय

.आरोग्य भारती ने डेंगू पर परिचर्चा कर छात्रों को जागरूक किया

महेंद्र शर्मा उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर आरोग्य भारती ग्वालियर महानगर द्वारा शासकीय वीरांगना झलकारी बाई कन्या महाविद्यालय हजीरा में स्वास्थ्य जागरूकता एवं परिचर्चा कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर हजीरा थाना प्रभारी श्री शिव मंगल सिंह राठौड़ विशिष्ट अतिथि के तौर पर जे पी शर्मा सचिव आरोग्य भारती ग्वालियर महानगर, प्राचार्य बी एल अहिरवार, एवं विषय वक्ता के रूप मे आयुष विभाग से डॉक्टर मोनिका शर्मा, डॉक्टर अरविंद मित्तल उपस्थित रहे कार्यक्रम की शुरूआत भगवान धन्वंतरि के पूजन एवं चित्र पर पुष्प अर्पित करके हुई स्वास्थ्य की जानकारी देते हुए उपस्थित छात्राओं को संबोधित करते हुए जे पी शर्मा ने कहा कि किस तरह से चाइनीस फूड से

दूर रहना चाहिए एवं मोबाइल से दूरी बढ़ाकर अपने स्वास्थ्य को ठीक किया जा सकता है साथ ही विषय के वक्ता डॉ मोनिका एवं डॉ अरविंद मित्तल द्वारा वर्तमान समय में चल रहे डेंगू और चिकनगुनिया के विषय में क्या सावधानी रखी जानी चाहिए एवं किस तरह उसका उपचार करा कर निजात पा सकते हैं यह जानकारी बच्चों को उपलब्ध कराई ।। कार्यक्रम में 150 बच्चों ने जानकारी प्राप्त की साथ ही थाना प्रभारी शिवमंगल सिंह जी ने बच्चों के साथ व्यक्तिगत नंबर साक्षा कर उन्हें नारी सुरक्षा के बारे में बताते हुए अपराधों को कैसे कम किया जा सकता है इसके बारे में बताया कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर सूर्यकांत अग्निहोत्री द्वारा किया गया । अतिथियों का आभार प्रदर्शन अमन दुबे जी के द्वारा किया गया ।। इस दौरान डॉक्टर केशव सोलंकी डॉक्टर आकाश रणवीर रायपुरिया एवं महाविद्यालय के प्राध्यापक और कर्मचारी उपस्थित रहेकार्यक्रम के पश्चात सभी अतिथियों एवं स्कूल अध्यापिकाओं के साथ सभी छात्रों ने भगवान धन्वंतरि जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर पूजन अर्चन किया

दीनदयाल नगर में मुख्य मार्गों से हटाया अस्थाई अतिक्रमण

ग्वालियर । निगम के मदाखलत अमले द्वारा सुगम यातायात एवं नागरिकों की सुविधा के लिए निरंतर अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है।मदाखलत अधिकारी शैलेन्द्र चौहान ने बताया कि निगमायुक्त अमन वैष्णव के निर्देशानुसार शहर में सुगम यातायात हो इसके लिए प्रतिदिन यातायात में बाधक अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही की जा रही है। जिसके तहत आज दीनदयाल नगर मुख्य मार्ग के दोनो ओर तथा महाराजा कॉम्प्लेक्स के पास डिवाइडर पर रखी लोहे की गुमटियां को और ख? यातायात में बाधक हाथ ठेलों, गुमटियों, बान्स बल्ली के अस्थाई छप्परों को लगाकर बनी अस्थाई दुकानों, दासों, पटियाओं, दुकानदारों की दुकानों के बाहर रखे स्टैन्ड बोर्डो, काउन्टरो, टेबलों तथा रखे सामान इत्यादि एवं अन्य अस्थाई अतिक्रमण को मदाखलत दल द्वारा हटवाया गया। साथ ही सामान इत्यादि जब्त किया गया। कार्यवाही में क्षेत्राधिकारी अजय शर्मा, सहायक क्षेत्राधिकारी राजेश भदौरिया, मदाखलत दल मौजूद रहा। अब जब्त किए हाथ ठेलों एवं सामान को मदाखलत कार्यालय हुरावली रो?, डी.बी. सिटी के सामने स्थित कार्यालय पर भिजवाया गया।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478